निहालदे-सुल्तान

रजिस्टर नं० ५

(पांचवा)

ता: ८/११/५२

091.954
R 142 N
V-5

V.5
40043
C/81 c/60

ता: 4/11/53

इतनी वै सुंरा के बी रानी राजी हो गई
म्हारी एक बी सुंणोंना बी पती जी म्हारो जाब
बिड़ बी लोगां में बास चम कर गया
तो जांणों बोली का तानां बो तन में हो गया पार
अब तो पती जी जल्दी धंम त्यारी करो
तो जांन्यो इब मुंसे बी ड्या नां जाय
इतनी बी सुंण के वा धतरी जिसदिन कह रह्या
म्हारी एक बी सुंणों ना बो हे रानी मेरो जाब
इतनी बो तावल हे रानी क्यूं कर रही
जांणी अठै बी कोन्यां बी दूसरी इब बात
यो बी धर्म का हे माता पिता मैं करया
तो जांणों प्रेणनै तूनें दई बिहाय
मेरे पिता बी हे बारा बरस का दे सोटर दिया
प्रेंण हो कयाया मेरा दिन रात
प्रेंण का सहारा सें दे सोटर मेरा कट गया
प्रेंण का भला कोरियो बो श्री भगवान
प्रेंण की आज्ञा बिन कोन्यां चाल्या जायगा
जद राजी हो के बी यो कहै
जद बी चालांगा बी कीचल कोट
दिन बी उगां तो हे पिता सें रानी मैं कहूं
तो जाणों आज्ञा दे दीगां बी जब चाल्या बी जाय
दिन बी उगां गया धा कचेड़ी बीच में
तो जांणों कमधज सें जोड़ा बी धतरी हाथ
सीस बो नवा के वा चरणां में धतरी पड़ रह्या
म्हारी एक बी सुंणोंना बी धर्म पिता जी मेरा जाब
आज्ञा बी दे दो तो जाऊं मेरा देश नें
जद बी कमधज बी कहै धा जबाब
कूंण बी देश है कित जायगा
यो बो भेद बी अब तांई कदे खोल्या धा नांय
तू बो जिसदिन मिला धा मैं सें सदर बजार में
जिसदिन कहा धा मुनें यी जबाब

अम्बर का पटका वे मैला मुनें धरतरी
मेरे कोन्यां यी काहिए बी नांव और गांव
आज बी देश का नांव रै बेटा तू ले रहा
तो मुनें देनां अब जलदी बी भेद बताय
रै कैसें या बात तैं मुंसें लेरवो लई
जलदी अब प्रिये बी मुनें भेद बताय
इतनी बी सुंण के वा फतरी जिसदेन कह रह्या
म्हारी एक बी सुंणोंना बी पिता जी म्हारो जाब
बिखा बी किसी हो पिता जी मत पड़्यो
जाणें यी बिखा की बी बात
दशा बुरी बी घर घर या भीख मंगाय दे
जांणें मेरे या दशा बी रहूबी थी लाग
अब बी दशा मेरी कुछ सुलटी आगई
पिता जी इब बताऊंगा बी थांनें नांव और गांव
जैंनण तो पिताजी जै मैं थांनै बतांवता
मेरा कोन्यां कटता बी बिखा का दिन और रात
अब बी मैं सांची हो पिताजी थांनें बतायदूं
झूठ रत्तीभर बी बोलूं मैं नांय
कोयल मैं गढ का हो पिताजी काहिये गढपति
मैंनपाल का बी बालगोपाल
पोता मैं काहिए वें राजा चकवेबैंन का
जातकुली का बी मैं परीहार
दियो थो दे सोटा या मेरा मैंनत बाप मैं
तो बी जांणें कोई दिन सें मिला बी गोरखनांथ
ऊंण की दया सें मैं पैदा हुआ
ऊंणका यी चेला बी मैं बण्या
तो हाथ बी ठेकरा बी दिया धर देय
गला में मेखली उन गुरु जी पहरा दई
इडर बी गढ का बी रस्ता दिया था बताय
सवा बी पहर का नांव मुनें ले दिया
चेला सवा बी पहर कोणां मांगेगो इडरगढ मांय

ई पाढ़े बी राज तो ई चेला तू करै
तूनें कोई दुःख बी होगा बी नांय
या बी में साची हो पिताजी थानें बताय दई
✓ इतनी जद सुण लई बी कमधज राव
चक्कर बी खा गया थर वे उसादेत जिस घड़ी
फूल बी गया बी वो चकराय
जद बी कह रह्या थर वा कमधज राव जी
म्हारी एक बी सुणो ना बी बली सुलतांन
कीचल बी गढ ले वा छोटर है नहीं
माई रांवण ई सरीखा बी मानी अंतर की कांण
कोई बात का कसूर जे मैं तेरा संग में कर्या
तो मुनें सांची रब दिये बी बेग बताय
कोन्यां मुनें बेरा था तू है कीचल कोटका
मैं धर्म का पुत्र बी करता बी नांव
गाद्दी का मालक मैं तूंनें बणांवता
जद हाथ बी जोड़ के धूतेरी कहा थर जबाब
इस बी बात का हो विचार पिताजी मत करो
मेरा दिल में या कोन्यां बी कोई कपट की बात
ऐसें बी बिखा तो हो पिता जी किसी का नां-
मेरो बिखो बी दियो घमां कटाय   कैं
सुरगां का बासी हो पिताजी कदे थंम सुणो
मेरा बचन बी यी साचा जांणियो
मेरी मोत बी सेवा घमां करी मनचित लाय
साढे पांच बी साल या नरवलगढ में मैं रह्या
गैलां सें कोई बी बात की हुई नां तकलीफ
के बी कहावोगा पिताजी मेरा मन की बारता
मेरी ज्वालमां ठंडी बी गई हैं होय
धन्य बी थारी बुद्धि हो पिता जी ऐसा कांम-
कोई कपट बी राख्या बी नांय   निभादिया
अब बी आग्या थारी हो तो जाऊं कीचल कोटनें
मेरा देसोटा का बी दिन पुरा वे होजांय

थोड़ा बी दिन तो हो पिता जी बाकी रह गया
यो रस्ता में डुंगा मैं बिताय
या बी सुणी थी वैं कमधज राव नैं
म्हारी एक बी सुणै नर बी रै बेटा मेरो जाब
फूल बी कंवार रै पाप को मैं मन में जांणतो
तूनें धर्म को बी लियो मैं बणाय
रै कोई बी बात का फरक मेरे नां रहया
रै बेटा फूल और फूल की माता का बी ब्योरा नां थ
फूल सें बी बाती रै बेटा तूनें मैं समझता
भाई निहालदे नैं बी समझी मैं पुत्री के समांन
आधो बी राज को रै बेटा तू हकदार है
बेटा तूनें मैं आधा बी दूं मैं राज बांट
मेरा धर्म नैं रै बेटा मैं कोन्या चूकता
धर्म बाप बी दुनियां में एक
यो बी बचन तो रै बेटा तूं सें मैं कहया
तूनें मेरी रै गोद में बी लिया था बैठाय
कोचल बी गढ को रै भेद बेटा खूब पड़यो
जिस दिन मुनें कुछ बी ब्योरा था नांय
यो बी बचन तो रै बेटा तूं सें मैं कहया
सूर्य देव बी भर रहा बी वैं साख
एक तो फूल बी दूजा मेरे पुत्र सुल्तांन है
सूर्य देव सें यो जोड़ कहया मैं हाथ
मैं बी रै फरकतो रै बेटा तूं सें राख्या नहीं
बेटा राज के खातर बी तूनें आबा दूं नांय
इसी बखत तो रै बेटा मैं तूनें राज बांट दूं
बेटा तूनें मैं सच्ची सच्ची बी कह रहा दिल की
जिस बी बैठाया था रै बेटा तूनें गोद में |बात
वैसा ही दिन बी मेरे आज
बोल बी रहैंगा रै जल्योड़ा दिन जांयगा
अमर रहैगी बी किरमोडी नर की बात
रै बचन चूक बी रै बेटा मैं होता नहीं

तो मैं थांनै सांची या कह रहया वो बोल्यो। कोट
तीरज की कमठर मैं बी पिर जी राखता
पणिहरयां का घड़ा मैं देवर फोड़
वे बी पिर के आगै पुकारती
जद उंण तांबा का कलशा बी दिया घर बणवाय
मैं बी पक्का तीर-कमठा हो पिता जी करवा लेया
जांणा का वे कलशा बी देवर मैं फोड़
एक बी लड़की थी हो पिता जी घर का पिरोल मी
वा बी मेरा पिता कनैं बी कचेड़ी में पहुंचीथी जाय
कंवारी थी लड़की पिता नैं न्यूं कहनैं लगी
म्हारी एक सुंणोंना बी हो राजा मेरो जब
तेरो लड़को यो घाड़िया म्हारा फोड़ता
थमां यो पक्का तांबा का कलशा दिया बणाय
कलशा म्हारा फोड़ता साबत किसी का कोन्यां छोड़ता
जांणो और बी मांनैं थर थारी लाज
मैं बी थारै कनैं कचेड़ी में चला के आ गई
अब थांनै हाथ नैं जोड़ कै बी कह रहो मैं जबाब

बेटर ग्राम्यार ग्रब लेले बी तू यो राज
इतनी सुणी थी जद पोते चकवे बेन के
म्हारी एक बी लंणोनां बी हे पितर जी मेरा जाब
थांम बी फरकतो हो पिता जी मुंसैं राखवा न्हीं
पिता जी मैं बी थां सैं राखूं कुणनांय
मेरा पिता के रानी थी सात थी
कोई के कोन्यां थी बी या सन्तांन
बड़ा बी बड़ा तो पंडत मेला वें करया
उणां देख के बेद मैं बी कही जद बात
थारै सन्तान या लिखी है नहीं
सब ही वे पंडत बी गया घर नांट्य
फिर बी म्हेर तो हुई थी गोरखनाथ की
उण का बरदांन सैं बी मैं गया था होय
मैं बी थार आगला हो पिता जी मेरा बाप के

के तो बारा बरस का देसोटा थारा कंवर ने पुब लिखो
नहीं प्रोटलो यो मेरा बी सराफ
इतनी बी सुणी थी मेरा पिता नैं उस घड़ी
तो वे सतकारी धार बी मांनी थी सत की बात
जद बी कही बी या मेरा पिता नें उस घड़ी
हे लड़की मोत दिनां सैं बी देस्या पुत्र में श्राप
पण कहेने तू पागगी
तो हे लड़की कोन्यां मिलता बी तेरा यो सराफ
ऐसें बी सोच के बारा बरस का देसोटा पिता मेरा
मैं सांची या कही बी हो पिताजी बात । नें लिख दिया
थारा मैं कहनां हो पिताजी यो बी मांनता
पंण इतना बी दिन हो लिया बी कोई परवानां बी-
कोई उणनें मरा जीवता का ब्यौरा नहीं । दिया मैं नांय
वें बी राज का मालक कोन्यां कोई भाई दूसरा
पिताजी या बी लो दिल में भाम बिचार
इतनी बी सुणी थी वें मानधाता राव नें
जें का दिल में या जचगई बी बात
✓ ऐसी बी बात है तो ई बेटा मैं तूनें रोकूं नहीं
पण बेटा मेरा कानी का कोई बिसर मांनिये नांय
मेरा बचन पै ई बेटा मैं बी त्यार हूं
श्रोर मैं किसी का बी कहनां मानूं नांय
हुकम करा बी जो हो ई बेटा तूनें चीज दूं
धन माया चाहे बी जितनी तू ले जाय
हाथी बी घोड़ा चाहे इतना तू ले जाईये
श्राधा बी राज का तू है यो हकदार
इतनी बी सुणा के कह रहा पोता बैन का
म्हारी एक बी सुणो नां बी धर्म पिता जी मेरो नांव
धन्य धन्य थारी बुद्धि चालैगी थारो बारता
पिताजी मेरै कोई धन का चाहता बी नांय
हाथी बी घोड़ा हो पिताजी कोन्यां चाहता
थामा मेरा यो बिस्वे बी दियो करवाय

यो बी राज करो पिता जी मैं थारा समझालीया
कोई बात भी बी दिल में मेरे है नांय
गरवत बी गढ में थामें भी बहान मारु नें मैं करी
मैं मरना कहिग्यायोबी वें के सत का मारा
गंगा में जमना दियायो पिताजी बीच में
सूर्य देव भी बी भरीग्यायो मैं साख
वें के बी लेजाऊंगा पिताजी सत का मांयरा
जद मैं थांनें बी ले चालूंगा साथ
थाम बी नां चालोगा तो संग ले चालूं मैं फूलनें
फूलने मैं मालक बी राखूं सब कांम का
पहलो बी थूंदड़ी उढाऊंगा यो फूल कंवार
मारु बी बहान का मैं दरियायी घोड़ा लाया
वो ही ले जाऊंगो मेरा साथ कै मांय
और बी कुछ तो पिता जी कोन्यां चांवतो
इतनी जद सुणके बी राजी हुआ कमधज राव
सो बी दो सै भेजूं मैं संग तेरे आदमी
तूनें घ्यालावेंगा बी कीचल कोट
एकला नें रै बेटा कोन्यां जांण द्यूं
नें जांणो के बखेड़ा बी पड़जाय रस्ता के मांय
इतनी जद सुणलई पी वें पोते चकवे बेन के
म्हारी एक बी सुणोंना बी पिताजी म्हारो जाब
बुरा बी भला तो हो पिता जी मत मांनियो
पिताजी मैं और रानी मेरी बी और दरयायी—
और कोई बे जाऊं कोन्या पिताजी साथ में |घोड़ा जांन
मेरे साथ बी रहेगा मेरा गोरखनाथ
वें का सहारा सें हो पिताजी मैं फिर रहा
मेरे बावन उंणा साखा बी लिख राखा मस्तक मां
और का बी सहारा हो पिताजी कोन्यां चावता
मारु बहान बी मुनें पची थी मोत
पण उण सें बी कोई साथ में मैं नां ले के चल्या
जानी सरीका बी मेरा था यार

एक मेरा दोस्त वे गोडू बी था बावला
जैंने बजरंग बली का था बरदान
साढे पांच बी साल में रह्या नरवल कोट में
तो एक बी पलक मुनें छोड़्या था नांय
रात बी दिन तो रह्या करता मेरा साथ में
जाणंने मोत में दोरा बी छोड़्या नरवलगढ मांय
उणंने बी हो पिता जी में या कही
मारु आवेगी बी मेरे न्यूंतन भात
थामं बी आयो रे भाई मारु बहांन का साथ में
मुनें कोई भय बी उपलबत है नांय
तो मुनें सच्चा भरोसा से गोरखनाथ का
पिता जी कोई बी दिल में बी मत करियो थम विचार
अब तो सीख भी हो पिताजी दे दो जांण की
राजी हो कै बी दूयो मुनें थंम भेज
इतनी बी वें कमधज जिसादिन संणलई
तो जैं का नेत्र टपकें बी बाकी धी दिल में नांय
भरके बांथ बी जद छाती के फतरी में लालिया
रे बेटा मोत दिनां सें बी दरसन दिया था तूं आय
मेरा मूंडा सें रे बेटा कें विद्या कहदूं जांण की
दिल या मेरा सें बी कह्यो है नां जाय
एक बी आंट तो रे बेटा पक्की तें लगादई
कोचल रे गढ को बी करारोंयो कोन्या दूसरो राज
नहीं मेरा बेटा में तूनें कोन्या जांणदूं
तेरा ई बिना बी सरतो मुनें नांय
ई तेरा बी सरीखा कांम करारोंया कोई है नहीं
बेटा केवा रे गढ में बी राखी तें मेरी बात
फूल बी कंवर तो यो कांम डबो दिया
मूंडो दिखाबा नें बी जगां रही थी मुनें नांय
उसा बी काम तो रे अटकाड़ा बेटा तें कर्या
तो बेटा मेरा मूंडा सें बी या कही कोन्या जाय
भीतरला दिल में तो भंजण की बेटा है नहीं

पेरा ग्रांट में मैं आगया बी कुछ कही नां जाय
पण अब तू त्यारी करले रे बेटा जांण की
जब छतरी बी जोड़े थर बी पिता सें बी हाथ
राजी बी हो के पिताजी थम मुनें रिवदायदो
थारी नाराजी सें बी जांऊ मैं नांय
थूं बी मत समझियो हो पिताजी दिल का बीच में
मैं थांसें यो न्यारा बी अलबत्त हूं नांय
जो बी मेरा सारु हो पिता जी कुछ काम व्हे
मुनें खबर बी दियो या लगाय
उसी ही बखत हो पिताजी थारे कनें में पहुंचा रहूंगा
इसमें फरक बी कुछ पड़गा नांय.
इतनी बी सुणके राजी कमधज हो रह्या
बेटा नें रह्या थर बी जद पुचकार
तेरो रानी का रे बेटा डोला त्यार करो
जद बी छतरी बी कचेड़ी सें पड़्या थर चाल
चलके बी आया थर छतरी आप का महल में
रानी निहालदे बी दिया थर वे थाल बी लगाय
जीमें थर रसोई वे छतरी जिस घड़ी
जद रानी बी बूझें थी बात
जो मैं थांनें हो पती जी कहो थो चालंगा की बात
के हुकम आया बी जो दियो बताय
इतनी बी सुण के वर छतरी कह रह्या
म्हारी रुक बी सुणोनां बी रानी मेरा जोब
के बी बूझें है तू या बारता
बूझतां बूझतां बी सगला दिन में दिया बिताय
मोत बी बातां में ऊंच नीच सी उणानें कही
जद बी हुकम बी दिया मुनें जांण का
के बी कहूं बी तूनें मैं और बात
इतनी बी सुणी थी वे रानी निहालदे
राजी बी हो गई बी दिल के बी मांय
मोत बी करी थमां थी हुकम ले लिया

इब जलदी त्यारी बी ले वो ना बणाय
जद बी कह रहा थर वा पोलर चकवे बैंन का
अब यी मालर की आज्ञा बी बाकी जांण
इतनी बो सुंण के कह रही थी रानी निहलदे
म्हारी एक बी सुणोनां की हो पतीजी म्हारो जाब
वा तो भोत बी खुशी है जांण हैं
आपां वैं नें बी सतांवां बिलकुल बी नांय
इतनी बी सुंण के कह रहा थर घलरी जिस घड़ी
सुंणले अब रानी बी मेरर जाब
तू तो हे रानी तिरया की जात है
थांनें ऊंच-नीच का बी ब्योरर है नांय
बेसक सैं वें का दिल में तो हे राणी या ही उच रहो
पंण मैं मेरर है धर्म तैं बी धोडूं बी नांय
माता की आज्ञा लियां बिन कोन्या होगा चालना
✓ दोनूं बी चालांगर महल के बी मांय
जद बी रानी ने तैयार घलरी कर लई
तो जांणों जाद वर डोला में बी बैठी निहाल
आगे बी आगे चाल्या थर पोलर बैंन का
जुं के गेल्यां रानी का बी डोला रहा थर चाल।
जाके बी पहुंचा थर जा दिन जिनांना महल में।
तो बी जांणों डोला मां उतरी बी कंवर निहाल
टग टग बी पैड़ी वे चढ थर दोनों जिस घड़ी
तो जांणों फूल की माता कनें बी पहुंचा वे जाय
बैठी थी वर जिस दिन माता फूल की
सत्तरा वे रानी बी बैठी थी फूल की जें के पास
पहलां बी धोक तो खाई थी काले सुल्तान नें
तो जांणों पांवें वा पग बी दाबै थी कंवर निहाल
मुढ़ा घलवा दिया दासी सैं जिस घड़ी
बैठी मुढ़ा पे बी वा कंवर निहाल
देख के श्यान नें फूल की माता मक जली
यी तेरर बी फूल के सत्तरा रानीं जांण

प्रे मी सी स्यान बी कोई सी की है नहीं
प्रत्येक बणांई मालीक प्रे मी स्यान
सतरा बी रानी वें तप के नीचे दब गई
जद या दूतरी बी कहै थी जबाब
हाथ बी जोड़ के धर्म की मात्र में कह रह्या
हे मेरी एक सुनें नार बी मात्र जी मेरो जाब
मैं बी इब जाऊं हे मात्र मेरा देश नैं
धर्म की हे माता अब हे दे दोनां बी मुनें सीख
इतनी सुणी थी कमधज की राणी जिस घड़ी
म्हारी एक बी सुणोंनां बी भाई रे सुल्तांन
के बी मेरी आज्ञा रे तू भाई ले रह्या
क्यों रे जली नें बी रह्या रे जलाय
या बी मांगतो रे थी मेरा फूल की
भाई तूनें रे मंगता नें बी दई मेरे पती बिहाय
बेसक रे जेये भाई मैं कुछ कहती नहीं
भाई मेरा रे जोर बी कुछ चाले बी नांय
इतनी बी सुंण के बोला था पोतर बेंन का
मेरी सुणले हे धर्म की माता मेरा जाब
तेरे बी जचे सो हे माता बेसक कहले
तो बी जांणों मैं निर्दोशी बी बेतारनां दोष
न्यूं बी मत जांणों यो मंगता है जलम का
मेरी माता अब हे ब्यथा मैं तूनें दूंगा बताय
हे लिखा बी किसी मैं हे माता मत पड़ो
लिखा बड़ा बी यो है बलवांन
समय बी बंदर की हे माता या डिगो
सदा हे एकसी बी समय या रहती बी नांय
समय हे खिनांदे नरने कूआ बावड़ी
तो बी जांणों समय ब्याद बी गढ़ के हे नींव
हे समय हे चढ़ा दे अस्सी लाख के
डिगी समय में बी मंगादे घर घर भीख
3. हे समय बी मेरी माता मेरी डिग गई

२/५३

समय में है मांगी बी इडर गढ में भीख
फिर बी धर्म का पिता में करा था कमधाज राव नें
मुनें बी पुत्र बी धर्म का लिया था बणाय
वा बी दिन तो है मेरी माता मेरे याद है
आज तेरा सगला भरम बी आज मैं काढ
न्यूं बी मत आणों या मेरा फूल की मांग है
तो जांणों के तू कर रही बी गर्भ गुमांन
है तेरा बी सरीका है गढ म्हारे बांवन आणीये
जांणों जंग पे है मालक बी है कीचल कोट
पोता में कहिए वें चकवे राजा बैम का
मैनपाल का बी बालगोपाल
मेरी सगाई करी थी कंवर निहाल की
तूनें सांची है सांची बी रहया मैं बताय
फिर मेरा पिता नें बारा बरस का देसोटा लिख-
दिया।
देसोटा में आयो बी तेरे इडर कोट
म्हारा बी एैंका यो जोड़ा मिलग्या था कुदरती
एैंका बी पिता नें परवांना भेजा थी कीचलकोट
मेरा बी पिता ने परवांना उलटा लिख दिया
एक मेरा पुत्र नें बी बारा बरस का देसोटा दिया
इतनां दिन डटे तो बी ब्याहूंगा तेरी राज कंवार
इतनां बी दिन तो एैंका पिता नां डट्या
तो जांणों ऐसें फूल की सगाई बी न्यूं करी
मैं तूनें सांची है माता रहया बताय
भूठा है भैम बी तू कर रही दिल का बीच में
फूल, भाई का बी और एैंका जोड़ा बी नांय
म्हारा बी एैंका है माता जोड़ा मिल रहया
कोई कसर बी अलबत है नांय
फिर बी संजोग कुदरती मिलाया म्हारा
मैं है बिखा में बी लई एैनें ब्याय
भला है होयो कमधाज महाराज का
कोई बाल का दिल में फरक बी राखा नांय

~~फेर बी मैं बोर्के ना~~
कोई बात का फरक राखा पिता नैं नांय
मच्छ बी टंकवाया था हे ऊंचा बांस पै
हे माता वो स्वंयम्बर दिया था रचाय
मोत देसां का हे राजा उठै मेला हो रहा
तेरा नीचे मच्छ के दिया कड़ावा तेल का भरवाय
तेरा बी फूल नैं मच्छ बींधन नैं त्यार कर दिया
जद वा मच्छ बी बींधा गया था नांय
चूकले तेरा पास मैं तेरा बैठा हुआ बेटा यो
सब हे राजा बी हे वै हांसी बी कर रहया
तो जांणै कमधज पिता नैं बी नीचा दिया दिखाय
और बी राजा त्यार जद हो रहया
तो जांणै जद कमधज पिता मैं बी कहया था जबाब
एक मेरे पुत्र धर्म का सिरदारो और है
हुकम जै दे यो बी तो ले वा मच्छ नैं पज्योख
सब बी सिरदारां के बात वा जच गई
मुनैं घोड़ा पै बी दिया था चढाय
जद बी मैं मच्छ नैं बींधा था जिस घड़ी
मेरा कमधज पिता जी बी राखी मैं बात
वो ही परनतो पिता मेरा निभा रहया
जांणै फेर मैं ब्हाय के बी लाया था इडरगढ-
दो बी पाटा महल के अगाड़ी तैं घलवा दिया। मांय
माता हम दोन्यूं रवड़्या था पाह्यां पै जांण
देख के ध्यान नैं हे माता अगनी तेरे लाग गई
तैं हे कहया था यूं बोली रबीपी मार
बोली का तांना हे माता तैं मेरे ला दिया
हे माता तैं बी कहया था मेरे सैं जबाब
या बी मांगतो रे मंगता की मेरा फूल की
तनैं कैसें या दई बी मेरा पती नैं बिहाय
कोई ठेकरो रे धरयो है मेरा महल में
मंगता मांगा रे खावा नां बी यो पड्यो है बजार

यो बी बोली का तानां हे माता तूं मेरै ला दिया
मेरा हे तन में या बाकी बी रही थी बी नांय
पण समय हे मेरी बी माता डिग रही
मैं हे तेंनें बी कुछ बोल्या बी नांय
मेरे बी मरम तो मैं पाटा सैं उठ्या ऊपरां
जद चलता का हे पल्ला हे पकड़्या था कंवर निहा
जद बी मैं कही थी या बी थ्रैनें बारता
अब मैं अठे बी डटा मैं नांय
धर्म की मरता मेरै बोली खूब लाग्ई
अन्न पानी भी तैं दिया दई थी तल्लाक
एकली बी छोड़ी थी मेरी रानी निहालदे
हे माता तेरा हे बचन बी मैं लोपा था नांय
तीजां का करार हे करके मैं मरता गया थौ
जांणौ बिरखा मैंनें काट्या बी नरवल हे कोट
आधा हे बिरखा बी काट्या मैं रडरकोट में
आधा हे काट्यायो बी हे नरवल बी कोट
अब बी रहगो हे माता कुछ मेरी बावड़ी
थोड़ा दिन रहग्या सो ढूंगो रस्ता में काट
तेरा बी मरम मैं खोलन आयो माता तेरा महल
मेरी माता साची अब बेनां बी तू हे मांन
अब बी जांडगा हे मैं तो मेरा देशनें
थोड़ा हे बिरखा रहया बी ढूंगो रस्ता में काट
तें हे फूल बी मेरी माता मोल ढेः करी
मेरे क्रमधर्ज पिता बी दिया धर्म निभाय
इतनी बी सुणी थी फूल भी माता जिसघड़ी
जर वा चक्कर बी गई थी खाय
कौन्यां मुनें बेरा था रै तेरी बात का
मैं रै धोखा मैं बी तेरै बोली दई थी मार
मेरा बी कसूर मेरा बेटा यो होगया
माफज यो करिये बी मेरा बी कसूर
धोखा बी चार रही थी रानीं दिल का बीच

तो आंणी जद या धरती बी फूट्या भर जबरब
तेरा काली की हे माता दिलपे नाराजी है नहीं
हे माता तू हे कह्यो बी मुनें कुछ नांय
हे मेरी बी समय तो हे माता वा कहा रही
हे माता तेरी हे बोली बी मेरा कारज दिया साध्या
तेरी बोली सें हे माता बिखा कट्या मेरा प्रारम्भ सें
माता कुछ हे तकलीफ पाया में नांय
रानी नें तकलीफ हे माता पूरी हो गई
हे माता पूंनें हे मुश्कल बी तोड़ा दिन-रात
इब बी हुकम तो हे माता दे मुनें आंगर का
माता तेरी में प्राणा बी रह्या हे मांगर
इतनी बी सुंण कें लाचार होगई माता फूल भी
आंणें नीचा रही थी बी वा जिसदिन देख
धन्य तेरी माता रे बेटा धन्य तेरा पिता
धन्य धन्य कातिक बी तेरी कुट्टू बी आंण
इतनी में खोटी रे बेटा तूनें कही
तें सिरमाथा पे लई ओट्य
ऐसा रे पूत बी सपूत होने का है नहीं
भाई रे जायोड़ा बी इतनी के नां सुंणों
भाई तेरी नरनारी सें बी बिखा दिया तेरा काट
फूल सें इक्कीस रे मुंनें तू लागता
भाई इब जबर नी बी मुसें कही नां जाय
आधा बी राज तो रे बेटा तूनें दिवाय दूं
बेटा ओठे रे कर बी बैठा यो राज
इतनी बी सुंण के बोल्या था पोता बेन का
माता कोन्यां हे चाहे बी मुनें थारा राज
यो बी राज तो हे मांसतो भाई फूल बी
हे माता फूलकें करोनें बी इडगढ़ को राज
मेरे बी राज का कोई घाटा है नहीं
में तो बांवन हे गढां पे बी कहिये यो सिरदार
जद बी फूल की वा माता कह रही

बेटर कोई नारजी बी मांनिये जांय
ई मेरी बी भूलनें माफ थम करो
जद बी जाये कीचल कोट
हाथ बी जोड़के चरणांमें पकरी.नें रहया
हे माता थारी कहे बी के करुं में माफ
इतनी बी कहलाई हे मातर चाहे थ्रोर थम कहो
मेरा हे दिलचें बी नारजी कुछ बी नांय
मुनें हे डोबड़ी हे मातर मतनां जांणीये
मेरा यो दिलबी है यो दरीयाव
धन्य बाद बी हे माता थांनें मैं दे रहया
थारै मैं सहारै बी पिया बिरवा मूं बलाय
थ्रोर आपका कहयां सें मैं कुछ पूछें दूं
परंतु माता नारवल हे गढ मैं मैं करीयायो मारू-
बुद्धभाटी की हे माता वा बेटी जांणीये |धर्म की बहान
जांणों ढोल हे कंवर बी वैं का है पति महारजा
वैं के बी करी थी हे मातर मैं नोंकरी
कर के मैं रहया था बी जैनें हे धर्म की बहांन
वैं सें मातका हे बचन बी मैं मर-रहया
हे माता वा मेरे हे न्यूंतन बी आवेंगी मात
हे वें की बी तावल हे माता मुनें हो रही
जे मेरे पहले न्यूंतन चली जार वा मात
तो बी हे दाग तो हे मेरे माता वो लगे
मेरी लखीनो बी अलबत जाय बात
कहनें बी न्यूंते मेरी माता वो मांयरो
हे माता कूंण करै बी मेरा बिन उनका आदरमांन
या बी तो तावल मेरी माता मुनें हो रही
तो बी जांणो हूंसें आज्ञा बी रहया तूं सें मांगर
काल तो मैं गया था कचेड़ी बीचमैं
मोल हे मुश्कल सें बी आज्ञा दई थी कमधज पिता
आज हे मैं तूं सें बी रहया मांगर
इतनी बी सुंणके फूल भी माता कह रही

तू ई सतवादी बी ऐसा करै है सत का काम
कोणं बी मरै है या बेटा दूसरी कै मांयरा
पणं तू ई सत वादी बी करै है सत का कांम
तेरा बी बेड़ा [illegible] नै कुदरती
बेटा तेरी ई चालैगी बी या दुनियां में बात
अब तूनैं जाबा देली ई बेटा मैं नहीं
पंण तूं या मारू भी सुनादई मात की या बात
जल्दी अब त्यारी ई करले बेटा वल चड़ी
राजी खुशी बी जाये तेरे देश
इतणी बी आज्ञा कै मात्ता की ले गई
राजी जद हो गया बी धतरी दिल के बी मांय
धनधान बी माया चावै जो बेटा मेरा लेयजा
हाथी बी घोड़ा बी ले जा दस और बीस
इतणी बी सुंण कै वा धतरी कह रह्‌या
धन और माया बी चावै मुनैं नांय
हाथी बी घोड़ा हे मेरी माता कोन्यां चांवता
मेरे दरियायी घोड़ो बी मेरे पास
और बी कुछ तो हे माता कोन्यां चांवता
माता मैं थारी बी आज्ञा का हे भूखा जांण
हंस हंस के कह दे हे माता मुनें जांण की
हे माता फेर बी मिलूंगा बी थां सैं बी आय
जद बी वै धण्णी फूल भी माता धतरी के लांवती
धन्य तेरी बुद्धि बी मेरा बेटा या जांण
इतनी त्यारी ई बेटा तू बी कर रह्‌या
तेरी ई चलैगी बी ये दुनियां में बात
ऐसा सकस बी थोड़ा दुनियां में बीपजें
कोई जंणका रह जाय बी नांव निसानं
अमर बी कथा तो ई चालै दुनियां का बीच में
जद वा सुंणा रहा बी धतरी दिल कै मांय
कोई बी घमंड बी धतरी कै था नहीं
तो बी जांणों कोन्यां करै था बी दिल पै कोई
विचार

फूलसिंह मिले थार के पोतर चकवे बैन का
भाई तेरी बी आज्ञा बी देदे मुनें आज
इतनी बी सुंण के फूलसिंह कह रहया
म्हारी एक सुंणोनर बी धर्म का भाई मेरा आज
तू बी बड़ा तो है मैं छोटा जांणीये
के मेरे सें बी आज्ञा रहया तू मांग
मैं तो मुंडा सें है भाई तू नें कुछ नां कहया
तू मेरे बी है पिता के समांन
मेरा तो दिल में है भाई या जाच रही
इब या राज बी करनां इडर गढ मांय
इतनी सुंणी थी जद पोतर चकवे बैन के
राजी वो हो गया बी दिल के बी मांय
धन्य बी तेरी बुद्धि है फूलसिंह या कही
भाई मेरा है दिनं सुलटा गया बी आय
उल्टा है दिन में है यो कपड़ा तन का बैरी बणे
सुल्टा है दिन में बी करें सब आदर वो मांन
अब बी तो निश्चय मेरा दिल में है भाई हो गई
मेरी दशा बी उतरगई
कुछ थोड़ी मोल रही है जो बी रस्ता में उतर जाय
फूल सी बी बातर वा छतरी जिसदिनं सुण रहा
शांती आगई छतरी नें दिल के मांय
जद बी कह रहा थार वा पोतर चकवे बैन का
म्हारी एक बी सुंणोनर बी भाई फूल कंवार
माता पिता नें कुछमत बोलिये
भाई पुंण्य भी है सेवा बी दिये है बजाय
पुंण्य बी मोत सेवा अपनी करी
वो बी है बदला बी उतरण का है नांय
सुंण सुंण के फूल बी राजी हो गया
तो भाई याई थी थारा कहनें की बात
जिसदिन मारके तू ले जायगा भात बी
हो भाई मैं बी चालूंगा बी तेरे साथ

इतनी बी सुण के मणधारी राजी होगया
मेरा भाई तेरा ई बिनां बी मालक है मेरे मांय
जो बी करा सो ई भाई तू करिये
तनैं संग में ई ले के बी चालूं, करूं तेरा गुजरमान
इतनी बी सुणी थी फूलवें जिस घड़ी
राजी वे हो गया बी दिल के बी मांय
यार बी दोस्तां सैं घड़ी जिसा दिन मिल रह्या
फूल की रानियां सें बी रानी करें थी मिलाप
फूल की माता का वा चरणां में धोक खा रही
तो जांणें जद वा पैर बी रही थी दबाय
फूल की बी माता वा धणी जिसके लाव ली
तेरा कुणां बी बी रहो यो सुहाग-भाग
प्यारी घड़ी की वे जिसा दिनं बी हो रही
तो बी जांणें केर बी कचौड़ी में बी आया बी
कमधज का चरणां में शीश र घड़ी नवा दिया (वाल)
राजी बी हो रहा बी कमधजा रव
तेरी माता सें ई भाई मिल के जाईये
जद घड़ी कह्या बी पिता नें जबाब
माता सें आज्ञा ले के गुब में आ रह्या
मुनें राजी बी हो के बी माता रही है भेज
किसी की नाखुशी हो पिता जी जुब है नहीं
रजया था कचेड़ी में बी फूलसिंह पास
जद बी बोला था वा कमधज कह रह्या
ई फूलसिंह आद्यां ऊंचने दिये इतसें बी भेज
जो बी चाहिये सो भाई ऊंचर नें चीज दे
जद बी फूलसिंह बी पिता सें कहा था जबाब
मैं बी के चीज हो पिता जी यो रीसोंया
ऊंचर की ही कातिर बी सब हैं ये चीज
चाहिए बी रतनां सी माया का बोझा भरवाय लो
चाहे इतनां बी हाथी घोड़ा ल्यो संग के मांय
फौजां चाहे तो वा बी ले जावो साथ में

उंमर ती का काहिरा बी सब यो है कांम
इतनी बी सुंण के कमधाड़ राजी हो गया
खुशी हुया घर बी बली सुलतांन
कुंध बी पिता जी मेंने नर अब परवांतर
घोड़ा दरीया पी बी मैरे बी पास
मोन्यां कौड़ बी हो पितर जी मुंनै चरवली
कोई बात का बी रस्ता में मय मुंनै नांय
खा के धोक बी वा धतरी कट रहया
म्हारी रूक बी सुंणोनां धर्म पितौ जी म्हारो
हँस हँस के मुनें हुकम दूसो अब जांण का
क्यूं अब राखी बी या देर लगाय
इतनी बी सुंण के वा जालकर नेत्र भरलिया
बेटा मेरा मुख सें बी कहयो है नां जाय
कौल बी करआयो रे बेटा तु जाण का
या बी रे लागी बी भाई मेरे आंट
तीन बी धर्मी धतरी के जिस दिन लागई
तो जांणे जद आज्ञा बी दई कमधाड़ देय
अब बी रे जाये बेटा तेरा देश नें
बेटा पहुंचा का परवांना बी दिये मुनें भेज
जद बी मेरे रवांती हो जायगी दिल का बीचमें
आदूयां रे जाये बी ~~जरवल~~ मीचल कोट
आदूयां ले जाये रे भाई पुत्री म्हारी निहाल दे
रे भाई मेरी वा काहिरा बी धर्म की बेटी के समांन
मेरा बी कांनी सें कोई तकलीफ में वेंने नां दई
भाई आदूयां ले जाये रस्ता के बी मांय
या बी तो आज्ञा कमधाड़ दे रहा
जद बी घोड़ा बी दरयायी लिया घर धतरी मंगाय
जद बी दरयायी पे धतरी चढ़ लिया
जांणे डोला में बैठई बी कंवर निहाल
गाजा बी बाजा चाल्या घर जिस दिन बाजता
हाथी के हौदे बी बैठा घर कमधाड़ राव

देख बी रही थी जंगल की हालत सु जंगल
डोला में बैठी जा रही थी रानी निहाल दे
फूल कंवर अर जंवर के साथ
नोंकस पर पहुंचा अर पोलर चकवे बैन का
जद बी फूल सें बी दसरी कहया अर जवाब
अब बी तेरा डोला फूल पाधा ले जाई ये
अब डोला सें पार या पौंगी नांय
अब तो दरियायी पै हम दोनूं चढ़ां
भाई योई रे लंघावे अर बी बेड़ा पार
इतनी सुंण के फूल सिंह कह रहया
म्हारी एक बी सुंणनां बी भाई सुलतांन
मैं बी चालूंगा हो भाई थारा साथ में
हो भाई बीस तीस ले चालां संग में जवांन
इतनी बी सुंण के कह रहा अर पोलर बैन का
म्हारी एक बी सुंणनां भाई फूल कंवार
तेरा बी कहनां है सिर माथा पै मैं धरया
पंरा मेरी चिन्ता बी करिये तू नांय

सदर की बजार में छतरी चल रहया
तो जांणे उम्ल दातेसूं की रही थी देख
सब ही धन्य धीर दारो जौ नै कर रहया
तो जांणो चल के आया थ्या की शहर के बाहर
जद बी कह रहया था पौतर चकवे बैन का
म्हारी एक की गुणोंजर की धर्म का पितागी जाब
जम की उब जम्बो क्यूं तकलीफ पा रहया
जांणे बांमन बांध्यां जंण के साथ
सबसें करे था छतरी जे हरनांव की
तो बी जांणे हाथ की जोड़ के रहा था शीश नवाय
पिता का चरणां में शीश छतरी झुकांवता
छतरी नें कमधाड़ की शाबाशी दे रहया
अब बी जाये की बेटा तेरै जी चल कोट
वा लेकै बी आया वा छतरी चालता

मैं बी जाऊंगा ऐ मर्द अब एकला
तूनें ऐ संगमें ले चालू बीनांय
ऐ पाछा लेजा थीतेरर जवान बी
ऐ मर्द कोन्यां चाहे बी या जवांना का साथ
जद बी रानी नैं धतरी जीसायेन कह रह्या
डोला सें नीचे बी उतर जाय
जद बी कहार डोला नैं नीचे टेकतर
डोला मांसें उतरी बी कंवर निहरल
जद बी धतरी वें दरियायी पै चढतर
तो जांणें आप आगें बी वो चदजाय
ऐ जद बी फूल सैं वर जै हरणंव कर रह्या
ऐ मर्द मेरी अब चिन्ता बी करिये बी मांय
ले कै असवार फूलसिंह इडरगढ नैं आगया
धतरी वा पकड़ी बी बीचलगढकी बाट
जंगल का दरयायी घोड़ा चाले चूंमतर
डोला में आवे थर बी बन बी भौत
घोड़ी बी आवे थी वें रस्ता का बीच में
तो जांणें रानी जद रहसत मानें थी दिलकैमांय
6/11/63 दिन की छिपानी जणनें हो गई
आगें नंदी बी गई थी आय
जब बी कह रह्या था वा पोता चकवें बैनका
एक सुनेंना है रानी मेरा जाब
रात की समय बी रानी अब आगई
डरों का कोन्यां बी कोई विश्राम
तू बी कहे तो या रात अठे काट दां
जाओं रातनें यो जल में बी चलन का भारी कांम
जद बी कह रही थी रानी निहालदे
म्हारी एक बी सुणेंनां बी हो पतीजी म्हारो जाब
बिरखम उजाड़ बी तो अठै भय बी लागें मोत
जै बी या निंद्रा हो पतीजी आपां नै आजाय
कोई जानवर बी आ लेजाय

दरयावी घोड़ा यो अपनां पास में
जल का भय बी कुछ है नांय
चाव बी लगरहा था कीचलकोटका
पंश हूंसाी बैरन बस की नांय
इतनी सुंणी थीं यी पौटें चकवें बैन के
जंण के दिल में जच गई या बात
जब बी दरियावी घोड़ा नैं दखरी बूझता
म्हारी एक बी सुंणैंना दरियावी मेरा जाब
मांजल रात बी दरयावी सिर पै आ गई
रानी अठै बी डटै है नांय
तेरी के सलाह है या मुंनैं अब सुंणाय दे
दरयावी बी बी है जलका अलबत्त कांम
इतनी बी सुंण के दरयावी बोलता
म्हारी एक बी सुंणैंना बी मरमचारी मेरा जाब
और बी कोई भयतो जल सैं ना मुनैं लागता
मरद बच्या बी चढ़लो दो का बी चार
तिरया की जात सैं दखरी मैं घबरावंता
या बी रात की बी काहेरु है टेम
अंधेरी रात बी व्है तो कोन्यां दिलमें दहसत मांनता
या बी काहेरु बी पूरी चन्द्रमां की रात
पूरा बी चांदनां चन्द्रमां का खिलरहया
तो मेरा दिल में दहशत हो रही
मेरे पै चढ़वोगा बी या कवंर निहाल
अं की बी छांया जल में मुनैं दीखजाय
मेरा तप बी यूं डिग जाय
फिर मेरा बसकी हो यतरी विद्या चालै नहीं
आपां तीनों नदी में बी जावांगा बहय
✓ इतनां बोल बी वैं मेरामचारी सुंणालिया
कुछ घड़ी बी सिरपै रही थी छाय
जद बी कहरहा था वै पोटा चकवे बैन का
म्हारी एक बी सुंणैंना घोड़ा मेरा जाब

कुछ बी हो जाओ घोड़ा अब तो डरं नहीं
क्यूं डरणें का कोन्यां कोई विश्राम
आजे बी घोड़ा मैं तनैं तेर बैठार
गेलां बैठैगी बी रानी कवंर निहाल
धांया बी घोड़ा ऐ भाई मतनां देरवैरो
घोड़ा पंखावै जग मालक परलै पार
घोड़ा का कहनां छतरी कोन्यां मानता
घोड़ा का नाल्या दीया धा काट
तंग की बी घोड़ा का हो सिरदारो करड़ा कसदेवा
रवांना दाणां बी और करया धा जल-पांन
फिर आगे चढ़या था पोता चकवे बैन का
जांणे गेल्यां चढाई बी कवंर निहाल
मनाके गुरुनैं वे घोड़ा छतरी जल में ठेलता
जाद वा रानी सैं बी कहै था जबरब
मतनां घबराये हे रानी पलका का बीच में
जलका पानी बी निगाह करिये नांय
घोड़ा बड़या धा सिरदारो जल का बीच मैं
जांणे चीर रह्या था बी सुरजी का पुत्र जल नैं जांण
जाद बी गयां था वा जल का बीच मैं
रानी निहाल दे की बी सूरत का पलका पड़ गया
मूंग पुपल्या बी रह्या था रवाय
जाद बी वे घोड़ा का तप कुछ डिग गया
जाद छतरी सैं बी रह्या था सुंणाय
मेरा बी कहणां ऐ छतरी तैं मानां नहीं
मुड़ घड़ी पै बी गया तू आय
पदमनीं की शान का पलका मुनें पड़ गया
छतरी मेरा या तप बी दिया है डिगाय
अब तीनूं बी बहांगा या बस मेरा कुछ चालता
तूनें साची मैं साची दई है बताय
जब बी घबराया था वा पोता चकवे बैन का
ऐ घोड़ा यो बी भरोसा बी तेरा था नहीं

ऐ घोड़ा अब धम डबोवें मेरी नाव
इतनी बी सुंण के दरियायी घोड़ा कह रह्या
मेरा कसूर बी धतरी कुछ है नांय
साची बी साची मैं तूंने पहली कह दई
या हूणी बैरण बी टलती अब नांय
जद बी कह रह्या था पोता चकवें बैन का
दरयायी मेरा बस बी कुछ है अब नांय
उथल पुथल जद घोड़ा होने लग गया
घोड़ा का बस बी चाले था नांय
रानी का बचन बी हो रह्या था धतरी का साथ मैं
रोवंण जद लग गई बी कवंर निहाल
मैं बी निर्भागन हो पती जी मुझ चंदरी ने बर नहीं
जांणे मुनें अब सुरवड़ा रब है नांय
पंराया बी सत की मैं कह रही थांने बारता
जे मैं जीवती निसरग्यूं जल के बाहर
दूसरा मर्द का मुंह माथा मैं कोन्यां देखती
हो पती जी थारे सांमने रही मैं बचन सुंणाय
सतीयां का सत बी वो राखे मेरा कुदरती
भली करेगा भोला बी नांथ
इतनी बी सुंण के कह रह्या था पोता बैन का
म्हारी एक बी सुंणेंना बी हे रानी मेरा जाब
यो बी बचन तो हे रानी तूनें मैं दे रह्या
सच्चा हे दिल मैं बी लिये हे मांन
जे बी जीवता हे रानी मैं किते नीसरूं
हे रानी दूसरो स्त्री बी ब्याहूं हे नांय
म्हारा बी तेरा रानी धर्म कर्म हो लिया
म्हारा न्याव बरेंगा बी मालक के दरबार
यो बी बचन तो जांण का हो लिया
वे बी घोड़ा सें बी डट्या जायनां
ऐ धतरो म्हारी तेरी पिछली बंदगी
इतनी कहके उपरनें घोड़ा का पग हो जांय

एक धार में बहा था पोतर बोन का
जांणे एक धार में बी रानी बह जाय
तीजी धार में वा दरयायी घोड़ा बह गया
तरबीराणी का बी रस्ता में तीन
दिन बी उगतां धतरी ने नदी का कनारा आ गया
एक बी दरखत पे पकड़ा जाय
पकड़ के जड़ तो वा निसरय नदी का बारनें
जां के कने ही ल्याड़ था बी वो घाट
एक बी पनवाड़ी पान उठे धो रहा
क. पनां शहर गांव का बी नांव
उंण बी देखा था वें बाले सुलतान नें
जद चल के बी आया बी धतरी के पास
जद बी कह रहा था वा पनवाड़ी जिसवाड़ी
म्हारी एक बी सुंणनां बी है लड़का मेरो अब
रे कैसें बी बैठा भाई तू ऐसें उणमणां
तेरा तन का कपड़ा बी रह्या हैं भीड़
इतनी बी सुंण के वें मंणधारी रो पड़या
मेरी के बूझेगा बी तंन की भाई बात
दशा बैरन भाई मेरी हो रह्यी
भाई मैं तूनें सच्ची बताऊं मेरी बारता
मैं एकला यो बी अलबत था नांय
मेरा बी साथ में मेरी रानी थी निहालदे
दरयायी घोड़ा बी था मेरे पास
नदी के किनारे पे दिन भी छिपनी हो गई
जद घोड़ा नें मैं ठेल्या बी जल के मांय
जद बी दरयाभी घोड़ा मुंनें नट गया
मैं वें घोड़ा की बी मांनें थो नांय
दिन बी कोरे सो यो बैरी बी नां कोरे
दिन पे बड़गयो मेरे बी मांय
मैं और मेरी रानी दरयाभी पे चढ़लिया
जद रानी की शान का पलका घोड़ा ने जल में पड़जाय

धोड़ा का तप बी डिग गया रात नें
बस बी धोड़ा का बी चालै थर कुछ बी नांय
तीन धोड़ा और रानी और मैं बी तीनूं जल में बह गया
वै दोनूं मरै या जीवें उण का ब्योरा मुनें नांय
मैं बी निसरग्या भाई इस घड़ी
साची ब्यथा मैं तूनें बीती दई बताय
इतनी सुणी थी उण बी ~~धड़ो~~ जंगेरीमल बांणीयो
जै नें धर्तीके बी लिया धार लगाय
जाद बी कह रहा थर झंघेरीमल बांणीयां
म्हारी एक बी सुणैनर बी लड़का मेरा जाव
जै बी कठै वै निसरग्वें रानी और धोड़ा जीवतर
भाई उणका पता बी लागा पाग
और बी कठै जलमें पर ही नीसरें
तो आपां नें पता बी उणका पड़ै बी नांय
इब तू बी चालानां रे लड़का मेरा साथ में
भाई मेरै ई कोई बी कोन्यां है सन्तांन
रे धर्म का पुत्र धतरी नें जिस दिन कर लिया
जंण लाडू काढ्या धतरी का नांम
पानां का टोकरा झंगेरी मल नें सिर पे धर लिया
संग में कर लिया थर बी बली सुलतांन
चल के बी आया थर पनां शहर में
सब बी देखै थर बी धतरी की बी शान
बड़ा बड़ा साहूकार झंगेरीमल नें बूझता
कैठा यो लाया बी लड़का ऐसी शांन का
गैलां नें कदे बी देखा बी नांय
सांची बी सांची ए झंगेरी-मल बतायदे
हाथ जोड़के झंगेरी-मल बोल्या बांणीया
मेरी एक बी सुणोंना बी साहूकारो मेरा जाब
मेरे तो संतान थी नहीं
मोत दिनां सें बी करै थर मालक सें अरदास
आज बी मेरी अरदास सुणलई श्री भगवांन नें

मैं नदीं पर बी धोवंण गया थर पांन
उठै बी यो लड़का मुंनैं मिल गया
ग्राज भेजर है श्री भगवंन
इतनीं बी सुंणलई थी सघुरका बांणीया
राजी बी हो रह्या बी दिल कै बी मांय
सब बी ग्रापस में वै बतलावतर
मालक नैं थैं की दई साधा
मोत बी जव उधरव जैं का कर रह्या थर बांणीया
बांटै थर मिठाई बी भाईचारा मांय
धर्म बी पुन्न तो करता मंगेरीमल बांणीयां
मोत बी करैथर बी वा जं का बी उधरव
कोई बी दिन रहतां सहतां फतरी नैं हो लिया
पांनां की दुकांन पै बी फतरी बी बैठतर
जांणें मोत बिकै थर मंगेरीमल का पांन
मोत बी कमाई मंगेरीमल कै हो रही
कोई कसर रहै धीनांय ।
राजा सुलतांन नैं पनां शहर का मंगेरीमल बांणीया
का पुत्र बणालीया है । दरयायी घोड़ा नैं मेवरां
गेर कै कांशी शहमें काढ्य लिया।
— रानी निहालदे बी पहुंची थी कांशी शहर मैं
तो जांणें नदी के किनारे बी थर शिवजी का स्थान
लागी थी भाल बी जल बी रोस घड़ी
शिवजी का स्थांन मैं बी रानीं पड़ रही
जद बी रानीं नें कई देर सें हुया थर होश
वैं बी शिवजी नें पूजन नें चार लड़की नित ग्रांवती
वे बी हबेराम पंडत की लड़की चांरू जांण
बैठी देखी थी चारुं नैं रानी निहालदे
चारुं लड़कियां कै बी चढ गया थर दिलमें चाव
मोत दिन हुया है मानों शिवजी नें पूजंता
तो जांणें करे दरशन बी करा थर मांय
ग्राज माता पार्वती मिल गई

आज ऊं का है दरशन करो मनाचीत लाय
चारों लड़की झट दे भाग के
तो रानी के गरली बी ठाडी बांध
जद बी घबराई थी रानीं निहालदे
चारों लड़की बी रही थी सुणाय
मोत दिन हो गया हे माता थुनें पूजता
आज बी दरशन बी म्हानें तें दिया
अब तूनें बी घोड़ां बी नांय
म्हारी बी सेवा आज पूरन हो गई
हे माता तें दरशन दिया बी म्हानें आज
करोड़ा पाप बी जैलां का सब कट गया
कोई कसर बी रही है नांय
इतनी बी सुणके बोली थी रांनी निहालदे
म्हारी एक बी सुणोनें बी है भानों मेरो लाव
इतना बी मार धम क्यूं मुनें चढांवती
क्यूं हे पार्वती माता रही थमं मुनें हे बणांय
धारर सरीकी हे मुनें बी मांनो जांणीयो
मैं जो बीती सो थांनें ढूंगी मैं बताय
मैं और मेरो पती दरयायी घोड़ा पें चढ़ा था ऊंई—
तो घोड़ा का बस जल में चाल्या था नांय
रातनें
देख मेरी सूरत घोड़ा का तप बी डिग गया
जांणें जद बी घोड़ें कहया था जबाब
मेरा बी तप तो अब बी यो डिग गया
तो जांणें बस मेरा कुछ चालें था नांय
जद म्हारो बी बस कुछ कोन्यां चालता
जद मैं मेरा पती सें बी यो मैं कहा था जबाब
जे बी पती जी मैं निसरांऊ कोठे जीवती
दूसरा मर्द का बी मुंह मांधार देखूं मैं नांय
यो बी बचन तो मेरा पति सें मैं भरा
थांनें मैं साची मा साची बी रही या बताय
फेर मेरे पती बी मांनो मेरे सें या कही

आज थूं का है दरशन करो मनाचीत लाय
चारों लाड़की भटदे भारत के
तो रानी के मरती बी ठाडी बांध्य
जद बी घबराई थी रानी निहालदे
चारों लाड़की बी रही थी सुणाय
मोत दिन हो गया है माता थूंनै पूजतां
आज बी दरशन बी म्हारनैं तैं दिया
अब थूंनें बी घोड़ां बी जांय
म्हारी बी सेवा आज पूरन हो गई
हे माता तैं दरशन दिया बी म्हारनैं आज
करोड़ा पाप बी गैलां का सब कट गया
कोई कसर बी रही है नांय
इतनी बी सुणकै बोली थी रानी निहालदे
म्हारी एक बी सुणोनतें बी है मानों मेरो जब
इतना बी मार धम क्यूं मुनैं चढ़ावती
क्यूं हे पार्वती माता रही थम मुनैं हे बणाय
चारर सरीकी हे मुनैं बी मांनो जांणीयो
मैं जो बीती सो थांनें डूंगी मैं बताय
मैं और मेरे पती दरयावी घोड़ा पै चढ़ा था थूंई—
तो घोड़ा का बस जल में चाल्या था नांय सतनैं
देख मेरी सूरत घोड़ा का तप बी डिग गया
जांणे जद बी घोड़ै कह्या था जबाब
मेरा बी तप तो अब बी यो डिग गया
तो जांणो बस मेरा कुछ चाले था नांय
जद म्हारा बी बस कुछ कोन्यां चालता
जद मैं मेरा पती सैं बी यो मैं कहा था जबाब
औ बी पती जी मैं निसरडं कहै जीवती
दूसरा मर्द का बी मुंह माथा देखूं मैं नांय
यो बी बचन तो मेरा पति सैं मैं मरा
थांनें मैं साची या साची बी रही या बताय
फेर मेरे पती बी मांनो मेरे सैं या कही

रानी जै मैं बी कहै निसरूंगा जीवता
दूसरी है तिरया बी ब्याहूंगा मैं नांय
मेरा पती का यी बचन जद हो लिया
जद घोड़ा का पग बी उपरनैं गया था होय
तीन धार में हम तीनूं बह गया
यी बी म्हारा रब कहै मिलैंगा संजोग
मेरा पती का अब ब्योरा नहीं
कहै निसरा वो बी नांय
मैं बी चेली थी यू भोला नांथ की
आप का ध्यांन मैं बी लाई बी मुक्ति करकर
या बी बिरखा की मैं सुणा दई थांनैं करतार
साची चाहे मांनो बी चाहे मानों बी झूठ
धारा बी सरना रब मैं ले लिया
तो जांणो मेरा सत नैं बी दियो बी निभाय
जै बी कहै पतरी निसरैगा जीवता
तो आप ही देगा मुंनैं ढूंढ
इतनी बी चारुं वैं पंडत की लड़की सुण रही
तो जांण का दिल में जच गई यी बी जांण कै बात
उणका भरम बी फेरुं वै खुल गया
जांण का दिल मैं जचगई बी साची बात
जदबी चारों लड़की कह रही थी तबै राम की
म्हारी एक तो सुणनां बी है धर्म की तू भांन
हम चार लड़की हतेरु म्हारा बाप कै
चारवां सादी बी करदई बी जांय
म्हारै* आसरा है भोलेनांथ का
म्हारा बेड़ा नैं लंघावैगा यी ही परलै पार
म्हारा अब तेरा है भांन जोड़ा मिल गया
कोई है बात की बी नां होबां दुक्खां तूनैं तकलीफ
चार बी हम हां है पांचवी तू म्हारी धर्म की भांण है
म्हारा बेड़ा नैं लंघावैगो बी भोले नांथ
उठ अब शिवजी की स्तुती हम करां

म्हारा साथ में पूजो है भोला नाथ
अंबर मी बी सेवा है निफल कोन्यां जायगी
तेरा पति बी जीवता कादेगा जल के बाहर
इतनी बी सुंण के रानी राजी हो रही
तो मांनो एक बी सुणोनार बी मेरी है बात
जैसी बी है मानों थारे शिवजी की ध्यावनां
वैसी ही कार्ह ए बी मेरे बी भांव
जल बी पढ कै है रसोई में जीमती
मेरे पक्को दिल में सरनां अंबर का भांव
जद वा रानी बी भांव का संग में बी नदी में करे थी ~~स्नान~~
सगली रात हुई थें जल में मुनें न्हावंता | स्नांन
पण अंबर शिवजी थई मुनें जीवती कांढय
के बी भांरगूं पती मेरा नें कठ्यो होगो कठे जीवतो
यो बी निश्चय बी मेरा दिल के बी मांय
सूका बी बस्तर वें रानी नें दे दिया
शिवजी के देवले चढी थी पांचों जाय
जल बी चढावें थी भोला नाथ कै
शिवजी का करवांवा लागी बी वें स्नांन
शिवजी की स्तुती वें पांचों कर रही
पंडत की लड़की बी रही थी बेद पुराणां बांच
करके स्तुती वा भोला बी नाथ की
जद रानीनें बी चारों लड़की कहे थी जबाब
म्हाजा अब चालां है मांन म्हारा महल में
तनें है ले चालां बी म्हारे बी साथ
इतनी बी सुंण के बोली रानी निहलदे
म्हारी एक सुणोनां बी है भारोंा मेरो जबाब
म्हारा बी भरतार है मिलाप अब हो लिया
बाहा है साथ में में चालूं अब नाय
मुनें बी सरनां है अब भोले नाथ का
अठेई करूंगी बी मेरी में गुजरांन
इतनी बी सुंणके वें चारूं लड़की कह रहयी

म्हारी एक बी सुंणनां बी है समंदर भी बनई जाव
संग में ले चालां बी तूनैं छोडनां छोड़ती
कोई है बात का है धारर म्हारे है नहीं
म्हारा है पिता के बी कोई फरक बी है नांय
पुत्री के समान बी तूनैं वो राखता
म्हारसै है बात बी तनैं राखेंगा दिल के मांय
यी बी बचन तो है मांगर म्हारसे तैं कहया
दूसरा मर्द का बी मुंहमाथ में देखूं नांय
वो ही परण तो है मांगर तेरो निभायदां
तेरी करांगा सेवा बी मनायित काय
जो बी तेरी इच्छा है सो है कांम तेरा हम करां
शिवजी का है दरबार में बी तुनैं हम बचन रही सुनाय
कच्ची बात बी है मांगर मतनां समाझिये
जांणै हम पढां बी दिनरात वेद की बात
है बचन बी छोटी चीज हैं नहीं
तूनैं सच्चा है बचन भरा शिवजी के स्थान
जद बी राणी का दिल में वे बातां जच गई
आप का चीरकी बी आंखां के बी पट्टी लई थी जचाय
यो ही परन तो भरनां थम निभायदो
थारो भलो करेंगा बी भोले नाथ
शिवजी का स्थान में पट्टी आंखां के रानी बांधली
तो रानी सच्चा करालेया था बी नेम
पति पती मिलां बिन कोन्यां पट्टी मैं खोलती
यी दिल में रानी लई थी जचाय
चलो लड़की हवा जद रानी का पकड़ती
जद वे पिंजस में लई थी बैठाय
चलकै बो आई थी वे कांशी शहर में
जद बी पहुंची थी बी महलां के मांय
लेजा महल में रानी नैं बैठा दई
जद रसोई बी रही थी बणाय
छत्तीस परकार का भोजन पेडत भी लड़की
बणावती

जद रानी नैं बी रसो पी जिमाय
जद बी पती चित्त पै रानी कै आगया
तो रानी जद रोवण लागगई कवंर निहाल
मैं बी रसोई है भगतों खाय या जीमलो
तो रानी मेरा है पती का कहै ब्योरा बी नांय
इतनी बी सुण के वै चारों लड़की बोलली
म्हारी रुके बी सुणोना समंदर की पुत्री आब
जो बी लिखोगी है बाई कछु टलती नाहीं
जै बी है लिखरा बी कहै वो जीवता
तो भोजन भेजैगा कुदरती नांथ
तेरी चिंता का है बाई कछु नां उत्तर
अब देवां शिवजी नैं बी भोग लगाय
जद बी भोग लगावै थी अपनी देव नैं
जीम रसोई बी मनचित्त लाय
भोजन बी जीम के जद वै प्रसन्न हो गई
तो रानी फिर राणी बी करै थी आराम
9/11/52

फिर चारों बी लड़का जिस दिन रसोई जीमता
तो जांणौ फिर वे आगया बी पंडत हबेराम
चारों वै लड़की पिता नैं कह रही
म्हारी एक बी सुंणोनां बी हो पिताजी म्हारो जाब
एक बी लड़की या पाई शिवजी का स्थान में
तो बी जांणौ हम बी लियाई वैं नैं साथ
वा बी बहयोड़ी है या दरयाव की
जैं का संग में बी बलवै थी आपका पती महाराज
एक बी दरयायी घोड़ा वा बलवती
वै बी बहगया जल कै बी मांय
आपका पती सैं यी बचन मरोगा बलवती
दूसरा ~~मद~~ मर्द का वा दरसन करै बी मांय
हमां बी धर्म की बहांन आं नैं करलई
हो पिता जी हमतो लियाई बी महल कै मांय
जिमाकै रसोई वैं नैं बी सुवाकदई

पा भीतर बी करै है प्रारम्भ
इतनी हबेराम पंडत सुंणलई
राजी वा हुया घर दिल कै बी मांय
जद बी पंडत जी हबेराम कह रह्या
म्हारी एक बी सुंणोनां बी धार्म की पुत्री जब
कोई बात कीशंका मतनां मांनीये
मैं बी कर्तव्य बी धर्म को हूं तेरा बाप
चार तो मेरे थी पुत्री थी पांचवी तू गई प्रब श्राय
जै बी तेरा पती करै नीसराया जीवन
वैं की खबर त्यूं मैं लगाय
जो बी बातर सुणंकै आपकी पुत्रियां की जिस घड़ी
जो कागज में लाई थी मांड
उंण के कनैं बी वा रहने सहने लागगई
तो चिंता थी उंका दिल कै बी मांय
✓ सातूं पां का सत राखन वाला कुदरती
खांनैं पीनैं का वैं पंडत के घाटा था नांय
नित बी नेम सैं रहैथी उंण लड़कियां का साथ मैं
सेवा करै थी वैं भोलेनाथ की
शिवजी का था जांका दिल में ध्यान
पंडत की लड़कियां कनैं निहाल दे रहने सहनें लाग-
गई है तो वैं ही कांशी शहर को बांणियो पना
शहर में लड़का टोनैं के वास्ते चला जाय है —
गीत :— जद बी पंहुचा था कांशी शहर का बांणीयां
जांणी पनां शहर में बी पंहुचा था जाय
जद बी कोई श्यांणा सेठ ने कही थी जाय कै
म्हारैं एक सुन्दर सा लड़का बी पियो बी बताय
जद बी वैं भारामल बी कह रहा
म्हारी एक बी सुंणोनां बी सेठजी म्हारो जब
एक बी लड़को है मंगेरीमल सेठ के
वो पानां की बी करै है सदर में ~~दुकान~~ दुकांन
जाकै बी देखलो थांस इस घड़ी

थारे दिल में जच जाय बी लियो देख
जद बी चाल्या घर वो बी सेठ जी
जाके बी पहुंचा की मंगेरीमल के पास
बैठ घर मंगेरी मल आप की दुकांन में
जद उणबी करी थी जो हरनांव
आदर सत्कार बी मंगेरी मल जंवर का कर रह्या
तो जांणे बूझन बी लाग्या बी नांम जंवर का गांव
कठै बी रहनां सेठ जी क्या बी नांम है
कठैनी आया के बी कांम
इतनी बी सुंण के कह रह्या था किरोड़ी मल जिस
म्हारी एक बी सुंणोनां बी मंगेरीमल साहूकार बड़ी
कांशी शहर बी मेरा गांव है
किरोड़ी मल बी मेरा बी नांव
एक बी लड़का देखन आया थें शहर में
तो कोई निगाह में व्है तो म्हांनें दियो बताय
इतनी बी सुंण के वे मंगेरीमल कह रह्या
सुंणोजी सेठां म्हारो जाब
एक बी यो लड़का म्हारा जांणीयो
थांनै जचे बी तो लियो देख
निगाह उठर के किरोड़ीमल छलीनें देखल्यो
जद चक्कर बी खा गया दिल के मांय
किरोड़ीमल के जच गया छलरी दिल का बीच में
तो जद राजी बी हो गया बी किरोड़ी मल दिल के मांय
जद बी मंगेरी मल कह रहा था सेठनें
या मालकनें संजोग दिया है मिलाय
थारे बी लड़का मेरे बी चोकस जच गया
जद जाके घरां बी रसोई मंगेरीमल दई बणवाय
भईयां में बलावा फिरवा दिया
खूब वा मिठाई बी लाई बी मंगाय
जद बी बुलवाया था बडी सुलतांन नै
जद मंगेरीमल नें गया था जांट

मैं तो हो टीका पिताजी कोन्यां करावं तर
जद मंगेरीमल बी कह्या था जबाब
आज मेरी बात मत खोवें बेटा इस घड़ी
मैं बी हो या बी लखपती शहर कै मांय
मेरा नांव तो आज मिलजायगा बेटा धूल में
कोई गिनती बी करैगा बी नांय
इतनी बातचीत जद धतरी सुण लई
आणें धतरी के दिल में बी जचगई वै बात
जद बी पाटा पै बैठा था पोता बैन का
सेठ धतरी के बी टीका कर रह्या
तो कोई माया बी दई थी बी मौत
सोनां का बी कंगरा धतरी नैं वर दे रह्या
मोहर असरफी दई तिलक कै मांय
करी थी सगाई किरोड़ीमल बाणीये
बैठ्या था भाई चारा मंगेरीमल के द्वार
बैरै थी मिठाई वैं सगाई का नाम भी
धतरी कै उदासी बी रही थी छाय
जलदी वै ब्याह जंण का मंड गया
जद किरोड़ीमल, मंगेरीमल सें कहा था जबाब
लड़का बी लड़की दोनूं शांणा हो रह्या
जलदी ही शादी ब्योंत बणांय
मंगेरीमल कै वै दिल में जच गई
बुलाकै पंडत नैं बी शावा लिया था कढ़ाय
सादी बी वै सिरदारी जंण भी मंड गई
धतरी का हो रहया बी लाड बौर चाव
गीत बी वै मंगेरीमल कै गा रहा
खूब भी करै था बी कांम मनाचित लाय
देखी उदासी जब धतरी कै तो मंगेरीमल कह रह्या
मेरी सुणलै लाडूबेटा मेरी बात
तेरी बी शादी रै बेटा या मंड रही
कैसें उदासी रही तेरे छाय

इतनी बी सुणके बोल्या थर पोतर बैनका
म्हारी एक बी सुंणोनां बी पिताजी मेरा जाब
के बी बूझोगा उदासी की बात
तो जांणो दिल मेरा सैं बी कहते है नां जाय
मैं और मेरी रांनी बह्या था दरयाव मैं
जद बी मैं कर्या था जौं सैं कौल करार
मेरी बी रांनी हो पिता जी मुंसैं या कही
जै बी जीवती हो पती जी जल सैं नीसरूं
तो दूसरा मर्द का बी मुंह मांथर मैं देखूं बी नांय
यो बी बचन तो कहा था मेरी रानी जिहरलाडे
मैं बी वैनैं कह्या था यी जबाब
मैं बी जौ है रानी निसरांऊं जीवंता
तो दूसरी स्त्री बी ब्याहुं बी नांय
यी बी कौल करार हुया था मेरी रानीं का साथमें
इब मरै या जीवै है जैं का ब्योरा मुनें पड़ा बी नांय
उंण बी बचनां की उदासी दिल पे छा रही
तो जांणो साची मैं साची मांनै दर्द है बताय
मेरा बी कहनां मानों तो पिता जी सादी मेरी मत करो
म्हारा जै पत्नूर दांणा पानी है इतनी मैं कठै जाऊंगी
दूसरी स्त्री ब्हानै का मेरै है यो नेम
इतनी बी सुणी यी झंगरीमल बांणिये
जद झंगरीमल यी कह्या थर जबाब
के बी तिरया की रै बेटा यी बात हैं
भलो रै मानी बी तिरया की रै बात
रै वा बी जलमें रै मरगई डूब कै
वैनैं गया रै जांनवर बी खाय
इब वैंका बचन पै रै के तू बेटा चालता
रै बेटा भलो रै तैं मांनी तिरया की बात
रै जीवतां का दुनियां में नाता बरतता
मरां रै पाछै कोई नाता नांय
वैं का बी ब्हारसा रै लाडू बेटा पोड़दे

चाव ई उमंग सैं ले तेरा ब्याह करवाय
ऐसैं बातां बचवा दई थी बली सुलतांन कै
कुछ घतरी कै बी ग्राग ई ध्यांन मैं थी बात
पैल पै बी खुशयाली घतरी कै कुछ तो गई
रांणी भी बातां नै गया था बी भूल
खूब बी भंगेरीमल की सेठानी घतरी का लाड चाव कर्‌हो थी प्रेम सैं
जैं का सावा का समीप गया था बी ग्राय
लगन बी भेजा था वैं कांशी शहर सैं
घतरीनैं दिया था बांन बी बैठाय
बांन बनूरा घतरी का हो रह्या
हाथ पगां कै बांधा था कंगन डोरड़ा
तो जांणों हाथूं का मेंहदी बी देवै थी लगाय
सगला शहर भी ई भंगेरीमल जिमांवता
तो जाणों जाफत रह्या था मरचावण नैं देय
जाड जान बी सजै थी बली सुलतांन भी
घतरी नैं बणा दिया था बींद
पहरा था जामां वै बिनोटा पहरता
सिर पै वैं बांधा बी पेचा बी लाल
टांकी किलंगी गला मैं डोरा गोप घालता
महाजना का बंण गया घतरी बींद
हाथी कै होदै पकड़्या बली सुलतांन नै
जैं भी काढै था निकासी भंगेरी मल सेठ
गाजा बी बाजा चालै था ग्रागै जंवर कै बजता
वै बी हाथी रह्या था घतरी का चाल
जान बी बरात घतरी की वा सज रही
तो जांणै बड़ा बड़ा बी चढै था वै साहुकार
भोत बी जोर शोर का ब्याह जंवर का हो रह्या
दिल बी खोल कै भंगेरीमल रहा माया बी लुटाय
एक बी लड़को है ई म्हारो मेरे इस घड़ी
ग्रौर बी कोन्यां है कोई सन्तांन
कोई ई कसर बी ई भैय्यो मत राखियो।

मार्ग माया का पाट बी कोई है नांय
हथी बी घोड़ा सज रह्या
वे महाजन बी चढ़ पर जै के गगन
गाजा बी बाजा चाल्या पर बाजार
जांणो मौत जोर बी बी सजी थी वा जांन (बरात)
रस्ता में दिन की छिपानी जांण नैं होगई
तो जांणों पानी का आगया थर वो विश्राम
रात का बी डेरा वें जांन का हो गया
तो जांणों मंगेरीमल नैं पहरा दिया थर लगाय
सई थी बी जाफत वें मंगेरी मल सेठ नैं
तो जांणों वें बी रसोई रह्या थर बंणवाय
सब ही जीमैं थर रसोई उठें प्रेम सैं
वें बी फिर करैं थर सब आरांम
✓ आथी के उपर हो सिरकरो उसादिनं दो बजा
फेरं वा चढ़ती बी वा बरात
छतरी का हथी चालै थर घूमता
चौंरां का फटकारा हो रह्या
तो उं मी गैल्यां वें बैठ्या बी मंगेरीमल सेठ
हाट-बाट सैं वें दिन उगतां पहुची काशी शहर में
तो जांणों जद वा बजारां में बी रही थी जांन घूम
सगला बी शहर में उछाव जैं का हो रहा
तो जांणों छतरी का यो तप बी तप रहा अपरम्पार
जंण का बी डेरा किरोड़ीमल नैं दिवा दिया
सब इंतजाम बी राखा पर बणांय
खुब बी शोक सैं खातर तवज्जा हो रही
किरोड़ीमल की जाफत रही थी बी लाग
इतनां मैं तीसरा पहर बी हो गया
चार बी बजां की बी हुई थी टेम
जद बी तोरणं का बलावा बी आगया
तो जांणों अब जलदी वे चाल्यो बी करोबा दुकाव
जद बी वैं सजाई करै थर बालि सुलतांन बी

मंगेरीमल कै बी लग रहा था दिल में चाव
पगड़ी बी पै धर दलरी कै सजावता
धूंगा में जमां बी दिया था पहराय
लाधी बी सजाया था जिस घड़ी
मौल बी करया था लाधी का सिंगार
जद बी चढ़या था वाले सुलतांन नैं
ऊपर छतर बी दिया था तन-वाय
चौंर ढुलकता वली सुलतांन पै
जैं भी गैलां बी बैठ बी मंगेरीमल सेठ
बड़ा बी बड़ा पंडत महाजन चाला था दुकान पै
तो जंतर कै गाजा बाजा बी रह्या था बाज
दलरी का लाधी चाल्या था झूमता
चाल बी रह्या था बी सहर बजार
जत घालैंदू दलरी नैं निरखाते
तो जांणौं कोठी का निरखैं बी बड़ा वे साहूकार
जद बी आया था वे लखेराम पंडत का महल का पास मे
तो वे चारों लड़की बी लखेराम पंडत की अटारी खोलते
बावन बी अटारी थी वें महला कै
तो जांणौं बावन वें अटारी दई थी खोल
चारूं बी लड़की पंडत की देखें थी दलरी की शांन
मोहित हो गई जिन कै बी मांय
जद बी कह रह्यो थी चारों लड़की जिसघड़ी
म्हारे एक बी सुणौनां बी हे समंदर की बाई जात
सदर हे सरली तेरा भरतार नैं
हे बाई बींद आज आयो बी म्हारी कोठी कै मां
बांमण बी निरखैं यी निरखैं बाणीयां
तो बाई कायथ, खतरी बी मुगल पठान
जत घालैंदू हे बाई निरखती
ऐसा कैद बी देखा हे नांय
पाय में पदम बी वें माथे ऊपरैं कै मणा दिपै
तो जाणौं किरणां लपेटर बी खाय

एक बी भांन तो उग रह्या यो आकाश में
दूज्या उग रहा बी म्हारी काशी के मांय
के बी यो दीखे है म्हनें यो गोपी चन्द भरतरी
तो गंणों के यो अंजनी का बी है हनूमांन
के बी कुंतां का है अर्जुन जोधा भीम है
चरत भरत बी दीखे है लक्षमण रांम
यो बी कोई है बाई अवतार है
कोई है कसर बी रही बी णांय
दो बर म्हारी कांशी गैलांनें तिरजाई
बाई है तीजा तिरनें का बी आज आ रहा जोग
सातियां का सत बी बींदनें देखां डिगं चला
घेलां है करनां छोड्या बी भोग बिलास
खोलो अब पाट है निरखो बाई बींदनें
कटैं पूरब पिछला धारा पाप
इतनो बी सुंण के कह रही थी रानी निहालदे
म्हारी इक सुंणोनां बी पंडत थे म्हारो जाब
भलो सरायो है बांणां का बाई बींद नें
के मैं बी निरखूंगी बांणां को है बींद
ढीलो बी ढीलो है बांधो बांणों धोतनी
तो जांणों सिटपट सिटपट चालै बांणों चाल
उखाल बी बरनों बांध्यो सिर पै पागड़ी
तो जांणों मीठो खांनो बांणां की जात
पैसा बी मां सें दमड़ी बांणो धांगले
घर तोल्या बी है बांणां की जात
धोल्यो बी धोल्यो आंखां की बांणो पूतली
सुरखी का डोरा बी नेंनां में जो के णांय
भलो सरायो है बाई बांणयां का बींदनें
मेरे कोन्यां निरखन को बी दिल में चाव
बचन भायार में मेरा भरतार सैं
हे पंडत थी बाई उंणा के बचनां नें बी मेटूं मैं नां
जे बी देखलूं मैं बांणां का बींदनें

मेरा है यो सत बी जायगा टूट ।
है मैं तो निरखा पर बच्या रजपूत का
तो जाणें दूसरा मर्द बी निरखन का कोन्यां दिल में चाव
इतनी जद सुंणा लई वें जारों लड़की बणती
जद थारों मन में बी लई बदलाय
या बी सदा न्यूं कहै थी मेरा पती बरो बर कोई है नहीं
पंण आज यो बी दुं का सें म्हांनें बात्ते दीखता
कोई यो दीखै बी यो बी अवतार
यो बी मौका निसरें फिर बी बतावैंगी बांणीयां के बीदे
चाखां बांध भरलई थी कंवर निहाल की
तो जाणें मालक नें मिलांणा था जंण का संजोग
भरकै बांधा बी अटारी कै लगा दई
तो जाणें आंखां की पट्टी बी दई थी तोड़
पलक जब खुल्ली थी कंवर निहाल की
जैं बी नजर पड़्या था बी बाले सुल्तांन
जद बी देखा था वें पोल चकवें बैन का
तो जाणें राजी बी हो गई बी दिलकै बी मांय
जद बी कह रही थी रांणी निहाल दे
म्हारी सुक बी सुणोनें बा हे मांशों मेरो जब
भलो हे हुयो या थमां पती मिला दिया
मोत दिनां का बी मिलाया आज संजोग
समंदर का बिछड़ा का आज दरसन मैं करया
थारो भलो करेंगा बी श्री भगवांन
बांणीयां की को है बाई या कोन्यां बीदं बी
या साजे हे कारिस बी मेरा भरतार
थांम बी कहै थी हे मांणो वा बी साची हो गई
पंण डब ऊंनें रयोनां अछे बी थाम
इतनी बी सुंणकै वें जारों लड़की हँस रही
तो जाणें तेरा कपट का बी बेरा पाट्या आज
मूंठी बी पट्टि तें आंख्यां कै बंधवा लई
मूंठा करै राख्या बी तूनें यो नेम

इतनी बी सुणके वे चारों लड़की बोलती
म्हारी सुणय संमदर की बाई मेरो ~~बा~~ जाब
के बी जोर म्हारा या चालता
बाई यी गाजा बाजा बी रुकता नांय
चलता बी हाथी संमदर की हमकें सें थांम द्य
म्हारा कोई बो चाकर चाले नांय
जद बी बोली थी वा रांणी निहाल दे
म्हारी एक बी सुणों ना पंडत थी बाई जाब
ऊँ ब्राज बी तोरणं चढ़के बांणीयां के जाय के
ऊंका फतरपन के बी लागो दाग
भर के थाल बी हीरापन्नां का बरसायदो
जदयो हाथी बी यो रुक जाय
इतनीं बी सुंण के नां हीरा पन्नां का थाल भरालिया
तो जांके जद ब्रागली अटारी पै बी पंहुचा बी जा
थाल बी बरसाया ~~कुछ~~ फिर चलता हाथी नां रुकय
तो जांके वै दुनिया हीरा पन्नां रही थी बीनं
जद चारों लड़की कह रही जिस धाड़ी

पण तेरा बी दोष तो इब या है नहीं
मौत सी सातियां का बी सत बी डट्या यो नांय
जो बी देखे जो हो पूर्ण पे मोहत हो रह्या
के मर्द के स्त्री जांण
पण तेरा बी इतनां काम बणी जांण
ऐ: बी महीनां सै आंख्या के पाट्टे बंध रती
तो जाणे दूसरा मर्द का दरशन बी करे थी नांय
आज बी हम पाट्टे तेरी तोड़ी ब्याह सौं
तैं बी पती बी पूर्णों लिया बी बणांय
इतनी बी सुणके बोली थी रांनी निहलदे
हे मांणो थें मैं है झूठ रतीभर नांय
या बी आज मुद्दा थांने अब देऊं
या चालता हाथी रुकबर दूयो डटवांय
गाजा बी बज रहा मेरी बोली बी सुणबा दें नांय

मांण तेरह है कहनां की दिया पुगाय
पंण झूठी बात तू की कर रह्यी
म्हारनें या ऐसी बात सीखे की नांय
जद की रांनी कै तन बदन में लाग गई
सहज की सहज लाग्यी रह्या था चाल
कोरा की कागज लियाथा रांणी हाथ में
दस्तां में लई थी की कलम दवात
लिखणें की लागी थी रांणी जिस घड़ी
तो जांणों लिखलो कागज में की जौं करनांव
जिस दिन बह्या था हो पतीजी दरयाव में
तो थी की करया था मुसें की नेम
जे मैं जिसरूंगा हे रांनी जीवतो
दूसरी स्त्री की ब्याहूं मैं नांय
आज की कैसें हो पती जी ब्याहन आया कांशी शहर में
बांणीया की लड़की पै की बंध्या की मोड़
धतरापन कै हो पती जी आज बढ़ा ला रहा
तो जांणों एकबर उपरनें की धंम परवांना नें बांच्यो
~~पलक~~ पलक की उठाकै ऊपरनें एकबर देखलो
खड़ी अटारी में की भारी रांणी कंवर निहाल
लिखकै परवांना वे रांनी गेरती
दिखा-दिखा चालै थी बैरन बाल्य
आग्या फटकारा वे परवांना पहुंचा नहीं
धोखा जद धर रही की रांणी दिल कै मांय
जद की सैंवें थी वा महाराजा की लाडली
चारां बापूजी की रह्यी थी देख
क्यूं की बावली सोमदर की तू हो रही
जांणें तेरह है पती की क्यूं बण कै आवें था की
तेरह है पती में उणहारा प्रेंका मिलता होगा
जद है ~~है~~ की हो रह्या तेरे भेम
इतणां में लाग्यी अटारी गया आगली
तो जद्या रांणी की दिल में करया था बिचार

यो बी जै बखत प्राज निकल जायगा
अवसर चुकयोड़ा बी प्रावै नां फिर हाथ
काढ्या था मूंदड़ा वैं रानी जिस दिन हाथ का
प्रागली प्रटारी की पहुंची पी जाय
प्रटारी कै नीचै वै हथी पहुंचा बली सुलतांन का
तो जांणै जद निसांना बी लिया था साध
वै गेरया बी मूंदड़ा वैं रांनी कंवर निहालदे
जिस दिन पड़्या था मूंदड़ा बी पतरी की गोद कै मांय
जद बी पिछानां था मूंदड़ा नैं पोतै बैन कै
तो जांणै उपरनैं देखै था बी बली सुलतांन
दीखी प्रटारी में क पोती विक्रमाजीत की
जद राजी बी हो गया बी बली सुलतांन
छः छः महीनां की उदासी जांणका दिल पै पा रही
वा बी उदासी बी झटदे उतर जाय
नेत्र सैं नेत्र सिरकारो जांण का मिल गया
तो जांणै बक बक हंसी थी बी कंवर निहाल
हाथ बी जोड़कै पतरी मैं झाला दे लिया
तो जांणै हथी सैं कूदा बी बली सुलतांन
गैल गैल बी झंगेरीमल सेठ बी कूदता
करकै वैं मारी बी लांम्बी डुकार
कांमण बी जारी कांशी शहर की स्त्री
मेरा पुत्र पै बी कांमण दिया चलाय
रोवंता कूकता वा पतरी की गैल्यां भग रहया
जै की गैल्यां भाजै बी सारी जांन
गाजा बी बाजा बाजंणा सैं जांण का रह गया
सगला शहर में हल्ला गया बी मांच
रे जाकै बी ~~महल~~ बड़ा था पंडत का महल में
जै कै गैल्यां लड़ रही सब जांन बरात
हाजर बी महल तो पंडत का जिस दिन भरगया
होगई प्रचम्बा मी कर कल
सगला कांशी शहर में या शोर बी मच गया

जांणे भोली बी हो गई फेतिसू उठे जात
पकड़ बी छलरीनें वे कंगेरीमल खेंचता
जांणे सब जें के पिलटा बी वे साहूकार
जद बी सब का कनां सें छुटवाने थम पोल बेंन
भाई क्यूं इतनीं थमं तावल बी रहृया मचाय
न्याय बी मांय सें रे कोई थम मई यो कांम है
ऐसें कूंठर बी हल्ला बी क्यूं राखा बी मचाय
सुंण के नांव देगा हबेरम पंडत पहुंचता
सबनें बाहर महल के दिया थम काढ़य
बड़ा बी बड़ा तो मेला हो गया पंच बी
जद बूझे थम बी हबेरांम पंडतसें बात
कैसें यह लड़का हो पंडतजी बड़या थारा महल
म्हांनें सांची यो सांची दियो बी बताय
रोला बी बेंद उनां बंद करवा दिया
जद हबेरांम पंडत बी दे रहया जबाब
हाथ बी जोड़के हो पंडतजी जिसदिन बोलता
तो जांणो सुणलो पंचो बी मेरा बी जबाब
सांची बी सांची हो पंचो मैं थांनें कह रहया
कूंठ रतीभर बी सभा में बोलूं नांय
सच्ची मैं कह रहा या सच कर थम मांनियो
सब ही सुणे थर बी पंडत की बात
दः बी महिनां मई ज्यूंण बांता ने हो लियां
मेरी लड़की जाया करती सदा शिवजी के स्थांन
उतबी या लड़की बी मिली शिवजी के देवलै
तो उणांनां सोची आज मिलगई पार्वती मात
जदबी या लड़की मेरी चारी लड़कियां नें बोलती
हे मांणो में कोन्यां हे पार्वती मात
थारा बी लारीरवी थमं मुंनें समाकयो
ऐसें मैं और मेरो पती ररयायी घोड़ा पे चढ़ रहया थ
तीनों हे बहजाया जलके बी मांय
जद बी घोड़ा और मेरा पती का मुंनें ब्योरा हे

शिवजी की म्हेर बी है मेरे पे हो गई
मैं इस स्थांन में गई बी आय
इब के तो सरनां इस भोले नाथ का
के बी धारय जांण
इतनी इतनी बी सुण के चारों लड़की मेरी कह रही
म्हारी एक बी सुणांनां बी समंदर की पुत्री म्हारो नाम
म्हारा बी पिता के हंम बी चार हां
तो पांचवीं या तू बी प्रलबतया जांण
कोई बी बात की है दिल में चिन्ता मत करे
जांणे रोटियांका यो पाटय बी है बी या नांय
तेरा बी पती है नर जल में बह गया
तो जांणे उडै म्हारो जोर कोई चाले नांय
प्राधी बी दांवें है राखां तूनें प्रेम सें
तेरी सेवा बी करांगा बी मन चित लाय
चारों बी लड़कियां वें बाई नें या कही
तो जांणे जद पुंणनें कहया था बी जबाब
यो बी तो बांता है मांनो थारी मेरे जच गई
पंण मेरा एक हे नेम बी दियो मेरा एक पुगाय
मेरा बी पती सें हे कोल बी यो करया था
पती जी जो मैं निसरूंगी बी जल सें मैं जीवती
दूसरा मरद का बी मुंह मांथा देखूं मैं नांय
इतनों बी चारों लड़की सुंण के कह रही
यो बी नेम तेरा दयांगा बी निभाय
ऊंठाई सें पाई लाई थी प्राख्यां के बांधा के
वे आके बी पहुंची भी महल के बी मांय
मैं बी जद देख के लड़कियां नें बोलता
हे बाई या कुंण लाई बी थारे साथ
चारों जद लड़की बी मुंनें कह रही
तो प्रणता कली थी जो मुंनें सगली लड़कियां दई
हाथ बी जोड़ के मुंनें धर्म पिता पुंण कराल्यो (कर्तव्य)
मैं प्रेनें धर्म भी पुत्री बी लई थी बणाय

मैं बी बूझी थी ऊं काई सैं बारता
मुंनै साची साची बी दई थी बताय
कूणसा बी गांव है कई थारा के नांव हैं
जो व्यथा मुंनैं दई थी बताय
कैसैं बी हो पिताजी हम जल में बह गया
घोड़ा और पती का ब्योरा मुंनैं नांय
कीचल बी गढ का वो है गढ पती
ढोल सुलतांन बी है जैं का नांम
~~के सर के सोटो~~ बी आया था काट के
हम बी जा रहया था बी कीचल कोट
बीच में या नदी बी बैरन म्हारी बंणगई
जंण म्हारा जोड़ा दिया बिछ्डाय
यो बी सुंणी थी रै पंचो लड़की की बारता
जो सुंणी थी जो साची बी दई बताय
खूब बी बातनैं पंचो अब छांन कै
करियो बी धंम अब विचार
अब बी ऊं मंगेरीमल बूझो सेठ सैं
और लड़का सैं बी लियो अब बूझ
इतनी बी सुणके ऊंणा पंचां मंगेरीमल नैं बुलाया सभा को बीच में
जद बी मंगेरीमल सै बूझै था वे बात
यो बी लड़का मंगेरीमल तेरै जलमोड़ा है या नां ऊ सांची दियै बताय
जद बी मंगेरीमल कै चोकस पड़ गई
धूजंन बी लाग गया था सभा के मांय
बोलो नां उपड़े थी मंगेरीमल सेठ की
जद बी पंचा कहै था बी जबाब
कैसैं बी सेठजी तू धूजंन लाग गया
जो बीती सो दियै या बताय
कुदनां थमनैं कोई कैहगा
जो न्याय बी होगी सो बात बंण जाय
थांम के बी दिलनैं वा मंगेरीमल कह रहया
हाथ बी जोड़ के मरैथा जबाब

सच्ची बी सच्ची वा सभा में कह रह्या
झूंठ रती भर बी बोलूं मैं नांय
मेरे तो संतांन बी सरदारो थी नहीं
मैं पांनां की बी करैं था दुकांन
पांन बी धोवणनैं वैं नदी पै सदा मैं जाय था
तो एक दिन मालकनैं मनां या यी संजोग
मैं बी घाट मे पांन बी धो रहा
यी बी लड़का बैठ्या था दरखत की जड़ों मे
मेरी बी निगाह तो वै हो गई
पांन मैं छोड़कै वैं लड़का पै चलकै मैं गया
झप बी पकड़कै लिया था जल सैं काढ़
जद मैं बूझी थी वैं लड़का सैं बारता
तो जो इब झूंठ पंडत कही जो बी झूंठ लड़कै कही
ऐसें बी नदी मैं हम बह गया मुताबक
एक मेरी रांनी थी मेरे साथ
दरियायी घोड़ा पैं हम दोनूं चढ़ रह्या
जद घोड़ा का वै तप बी डिग गया
घोड़ा का बस बी जिस दिन कुछ चाल्या नहीं
तीनूं बी बहगया था नदी के मांय
मैं बी इब झूठ पहुंच गया
उणका कुछ ब्योरा बी नांय
इतनी मैं संणकै लड़का नैं छाती कै लगा लिया
झूंठनैं सूका बी बस्तर मैं दे दिया
धर्म का पुत्र मैं लिया था बणांय
झूंठ बी धर्म का काम मैंनैं कर लीया
झूंका लाडू मैं धर लिया था नांव
कोई दिन रहता सहतां मैं हो गया
जद यो नाथमल सेठ बी उठै पहुंचा जाय
आप की लड़की की सगाई कै वास्तै बी यो गया
झूंठ कै यो लड़का जच गया था दिल कैं बी मांय
जद बी टीका की त्यारी वैं नाथमल कर लई

• मैं सब भाई पंचा नैं लिया घर बुलाय
जद मैं लड़का नैं दुकांन सैं बुलवांवता
जद यो लड़का गया घर मुंनैं नांट
मैं बी हो पिता जी टीका नां करवावता
मेरी रांनी सैं बहतां थी जल में कर लिया कौल करार
इतनी बी सुण कै मैं लड़का नैं समझांवता
लड़का के या कहेदी बी तिरया की बात
नैं बी जांनौं वा कदे जल मैं बह गई
वैं का बी ब्योरा नांय
जीवतां नैं वे काम सब करनां पड़ै
के या लड़का पकड़ी बी तैं या बात
मौत सा आदमी मेला यी हो रहा मेरा द्वार पै
तेरे आंयां पीछै मेरा शहर में हो रहा बड़ा नांव
जे आइ नां बी टीको लांगा भरमल सेठ को
तो मेरी या जायगी लखीनी बात
मेरा बी कहनां अंन लड़के कर लेया
तो टीका अंण भरमल लड़का कै कर दिया
न्यूं बी या सादी दई थी रचाय
ब्याहंण बी हम आज आ गया कांशी शहर में
मो बीती सो दई या बताय
जो बी जचै सो हो पंचो धंम न्याव करो
मैं झूठ रती भर बोली बी नांय
इतनी बी सुण कै वै पंच कह रह्या
सत बी तैं कही सेठजी यी बात
जद बी बलाया घर वाले सुलतांन नैं
देख बी रह्या घर फूलरी सी रयांन
जद बी पंचां नैं पतरी नैं कह रह्या
इब लड़का तेरी बी कहदे म्हांनै दिल की बात
पंडत और सेठ बी म्हांनै सारी बता दई
इब तू बी बतादे तेरा नांव और गांव
जब बी जोड़ कै बोला घर पोता कौंन का

तो म्हारी एक बी सुणोनां बी पंचो मेरा जाब
सच्ची मैं बी कह रहा हो पंचो सत कर मांनियों
जो बीती जो मेरे मांय सो हम रह्या बी बताय
कीचल बी गढ का मैं कहिए यो गढपती
मैनपाल का बी बालगोपाल
पोता बी मैं कहिए हो मैं राजा चकवे बैन का
हे जाद बी कुली का मैं वारीयार
दियो बी देसोटे यो बारा बरस को मेरा बापतें
मैं कीचलगढ सैं बी पड्या घर चाला
रस्ता में गोरखनाथजी का धूंणा आगया
धूंणा के मैं सरनैं पंहुचा बी जाय
हाथ बी जोड़ कै मैं गरवां नै कह रह्या
हो गुरु बिपदा बी पड़ गया मेरे मांय
करलो अब चेला सेवा थारी करूं
तो मेरा बारा बरस बी द्यो कटवाय
जद बी गोरखनांथ जी मुनैं यो कही बात
चेला जो लिख दई सो मिटन की नांय
तेरा मस्तक में यो बांवन सा रवा लिख दिया
तू बी तपधारी बालिहै सुलतांन
पाय पदम बी रे चेला मांथे तेरे मंगा दिये
वाई मेरा धूंणा पै यो बिपदा तेरा कटता नांय
दिया चर ठेकरा हो गुरु जीनें मेरा हाथ में
मेरा कपड़ा बी वैं लिया पर काढाय
भगवां बी अलफो जद वा पहरा दई
जद मस्तक पै मैं भभूती दई बी चढाई
यो बी बचन तो गुरु कह्या
पर बी तिरयानें रे चेला माता समाझिये
पर बी धननें धूल समांन
झूठ बी सेती या कूंठ मत बोलिये
तो यो फकरबी पंथ का हैं कांम
सेवा बी पहर करणां मांगणां इतर कोट में

फेर बी करैगा यू रीज

सवा बी पहर दांगो मांगर थर इडर कोट मैं
फेर बी मुंनै मिलगया थर कमधज राव
सवा बी पहरवर मेरी पूरी हो लई
आग कै फटकारा वैं धोड़ा प्रुलम स्त का
वै बी ठेकरा गया थर फूट
फेर बी धर्म का पुत्र कमधज मुंनै करलिया
उठैबी रहनैं सहनैं गया थर मैं आग
कमधज बी ब्याही थी मुंनै रानी निहालदे
या ब्याह कै धोड़ी थी मैं ~~कैसा~~ इडरगढ़ मांय
फिर साढे पांचसाल नरवल मैं करी मारु कै नौकरी
फिर उठा सैं पाछा मैं आया थर इडर कोट
उजा बी मेरा पिता सैं मैं मांग कै
मेरा कीचक शहरनैं पहुंचा थर बी पाला
आये जब नदी पर या दिन भी छिपानी होग
धोड़ा दरयायी थर मेरे पास
रहनैं का आश्रम बी रातनैं कोई उल थर नहीं
जद धोड़ा नैं जल मैं मैं रहया थर ठेल
धोड़ा मुंनै नट गया थर जिस बाड़ी
फूली जिनानैं साथ बी तेरे पास
ॐ ॐ पदमनी की सूरत का पल्का ~~फ~~ डरियं जल कै
तो ~~ब~~ मेरा तप बी वो डिग जाय
धोड़ा कर मैं कहनैं हो सिरदारो मांनै नहीं
धोड़ा नैं ठेल दिया थर मैं जल कै मांय
आश्रम बीच मैं धोड़ा मेरा डिग रहा
बस बी धोड़ा का पालै थर जोय
जद बी या रानी मुसैं न्यूं कही
हो पती जी इब बहांगा जल कै मांय
यो बी बचन मेरा ऊंचा हो गया थर
तो करालिया थर यो कौल वो करार
फिर बह गया थर हम चालता बीच मैं

खुब मालक नैं दिया संजोग मिलाय
जो बी बीती सो हो पंचो कही मैं थानें बात
जै नां मेरी कातै नां जची थारै मी बात
तो नखलागढ़ और रेडरगढ़ सें लो खबर बी मंगाय
इतनी बी सुंणलई थी जिस घड़ी
सब कै आनंद बी गया था छाय
पंचौंसु उत्तर बी सुंणकैनां राजी हो गई
सब कैहो वा जचगई थी बात
जद बी बोला था वे पंच झंगेरीमल नैं कह रह्या
सुंणो जी झंगेरीमल सेठ जी म्हारी बात
तीनवां की एकसी थारी बातां मिल गई
ज्युं में कोई बी कसर रहसी बीनांय
जै कोई कसर बी व्हैतो झंगेरीमल जब बोलिये
तो हम यो सत को करां बी खुलबत न्याव
म्हारै तो लेखे थैंम सब इकसार हो
हमें तो कोई को बी सीरो बंधलत नांय
इतनी बी सुंण कै वा झंगेरीमल बोलता
म्हारी एक बी सुंणोनांई बी पंचो जी म्हारो जाब
या तो बात बी हो पंचो ऐसें मिल गई
ज्युं मैं लड़कै हम और पंडत झूंठ बी बोली नांय
ज्युं लड़का का और म्हारा इवणां दिन का संजोग था
ज्युं का और ऐबी रांनी का करवाया मालक मिलाप
मेरे बी नाराजी पंचो कुछ है नहीं
मैं बी या कातैस राजी बी मोत
पंण मैं बी ब्याहणा आगयो थारै शहर में
उनीं नैं लड़की की बी साथै या राखी बी रचाय
इब इनका न्याव तो थमां ठीक बी कर दिया
पंण इब म्हारा और नाथमल का दूयो न्याव बणांय
जद बी वै कहरहा था पंच बी जिस घड़ी
मतनां घबरावै हो झंगेरी मल दिलभर बीच मैं
तेरा बी करां न्याव

तेरा कईचकर बी आया है तेरा साथ में
तो आंखों कोई लड़का ले अब तू देख
तेरी मन इच्छा की तो मंगेरीमल या बात है
जो तेरा मन चाले वरही लड़का ले अब देख
जद बी एक किरोड़ीमल बरा में वो भाई लागता
वें ~~क~~ लड़का बी लिया था देख
पकड़ के लड़का नैं वें ~~पकड़ के~~ सभा में खड़ा कर दि
यो बी लड़का हो पंचो मेरे जच गया
यो मेरी गोद दो करवाय
उसी बख्त सब कै जच गई थी बारता
राजी बी हो गया था सभी सरदार
वें गोदी में बैठाया था वा लड़का जिस घड़ी
वें बी गोद का ठेला दिया था बंटवाय
उसनैं बी बींद तो वें जिस घड़ी बणांवता
तो आंखों छतेरी का था जो कपड़ा दिया वैं नैं ही पहराय
दूसरी पोशाकां मिलीथी बली सुलतांन नैं
छतेरी का मोहसा कैरया था आदरमांन
राजी बी हो गया था मंगेरीमल दिल का बीच में
या तो मौत ही करगो हो पंचा सत को न्याव
जद बी सभा में वे कह रहा था मंगेरीमल बांणीया
छतरी सैं मोरया जवाब
मेरा बी धर्म का तू पुत्र बेटा लागता
मेरी आंख इटे इतनैं रहो मेरे पास
फिर बी तू जावे रे भाई तेरा देश नैं
मैं बी तूंनै रोकूं गया नांय
इतनां ई न्याराे तेरा रे भाई संजोग था
जो मालक नैं दिया भुगताय
इतनीं बी सुंणी थी वें बाले सुलतांन नैं
राजी बी हो गया दिल कै मांय
जद वें लड़का नैं वें हाथी कै हौदे चढा दिया
जैं कै बांध बी दिया था झुलबत मोड़

गाल्या बी बाजण फेरूं बजनें लग गया
फेरा बी बंधगाई वैसीहो बहार
सबही वे सिरदार बी राजी हो रहा
तोरणं बी पट कण वे चाल्या धर जिस घड़ी
वै बी धक्कर राख्या धर तांण
मोहर बी उसर फो वे भंगेरीमल उछलता
मौज बी चाव सें वे करै धर बखेर
मंगल्या बी करंशी शहर में उछाव हो रह्या
तो भगरमल के बी तोरन चटकी जाय
करै थी आरता बी जिस घड़ी
लाड़का का मौज करै थी बी चाव
फेरा बी वें बांणीयां का लाड़का का हो रह्या
जांणो बी पंडत बी बंचे धर जांण के बेद
वै मौतसा कांन बी हो रह्या
वो भंगेरीमल रह्यो थो ब्राम्हणांनें बांट
मौज बी चाव और प्रेम सें जेंका ब्याह हुया
जब यो बी मालक मिलाया संजोग
बरात बी उठे भंगेरीमल की जीमती
भगमल छत्तीस प्रकार का भोजन हुया धर जीमाय
सबही जांन जीमें थी प्रेम सें
जित बी जीमें धर वालि सुलतांन
सब मर्द बी लुगाई छबी पे मोहित हो रह्या
जांण बी वे बातें कर रह्या धर सब नरनार
कोई बी कहें यो राजां का कंवर है
कोई बी कहें यो है कोई जवहर
पाय वदन वे माथे जांण के मंगर दिप रही
रात बकी समयमें मणधारी ऐसें दीखता
जांणो कोई उगआया दूसरा यो मांन
ऐसें बी संजोग मालक नें जांणका मिला दिया
ऐसें वो मिलावे सबका दीनं दयाल
पुब बी घर आज्या वे मेला हो रहा धर वली
सुलतांन का |